



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 252]
No. 252]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 29, 2007/भाद्र 7, 1929
NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 29, 2007/BHADRA 7, 1929

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय.

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 2007

प्रारंभिक जांच परिणाम

विषय : अमरीका, कोरिया गणराज्य और ताइवान के मूल के या वहाँ से निर्यातित फेनोल के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच ।

सं. 14/5/2006-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान तथा उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति का निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे इसके बाद नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए :

क. प्रक्रिया

2. इस जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया का अनुपालन किया गया है :
 - (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है) को उपर्युक्त नियमों के अंतर्गत अमरीका, कोरिया गणराज्य और ताइवान के मूल के या वहाँ से निर्यातित फेनोल (जिसे आगे संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाते हुए घरेलू उद्योग की ओर से मै. हिन्दुस्तान ऑर्गेनिकल्स केमिकल्स लि., मुम्बई और मै. एस. आई. ग्रुप- इंडिया लि., मुम्बई (पूर्व में सैनेक्टरी हरदिलिया लि. के रूप में ज्ञात) से एक लिखित याचिका प्राप्त हुई;
 - (ii) प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 5 के उप- नियम (5) के अनुसार जांच शुरू करने से पहले आवेदक द्वारा दिए गए पाटन संबंधी आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों/प्रतिनिधियों को सूचना दी थी;
 - (iii) प्राधिकारी ने आरोपित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करने और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश करने, जिसे यदि लगाया जाएगा तो वह घरेलू उद्योग को हुई

- क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगी, के लिए नियमों के उप नियम 6(1) के अनुसार संबद्ध देशों के मूल के या वहाँ से निर्यातित फेनोल के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए घरेलू उद्योग की ओर से आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर 11 जनवरी, 2007 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया;
- (iv) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों, आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पत्रों के अनुसार संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं और घरेलू उद्योग को 11.1.2007 को जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की प्रतियाँ भेजीं और उनसे जाँच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से लिखित में अवगत कराने का अनुरोध किया;
- (v) प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देशों के दूतावासों को आवेदन के अगोपनीय अंश की प्रतियाँ उपलब्ध कराईं;
- (vi) नियम 6(2) के अनुसार जांच की शुरूआत के बारे में भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को इस अनुरोध के साथ सूचना दी गई कि वे निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए अपने देशों के निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दें। निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति निर्यातकों के नाम और पत्रों के साथ उन्हें भी भेजी गई थी;
- (vii) प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देशों में निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को संगत सूचना माँगने के लिए प्रश्नावलियाँ भेजीं। तथापि, संबद्ध वस्तु के किसी भी निर्यातक से प्रश्नावली का कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है।

(क) मै. डेकोटा गैसीफिकेशन कं.
1600 ईस्ट इंटरस्टेट एवेन्यू,
पी. ओ. बॉक्स नं. 5540
बिस्मार्क एनडी 58506-5540
यूएसए

(ख) मै. डो कैमिकल कं.
(979) 238-2011
2301 एन ब्राजोस्पोट बिड्ड
फ्रीपोर्ट, टी एक्स 77541
यूएसए

(ग) मै. जॉर्जिया गल्फ
पसाडेना, 3503, पसाडेना फ्रीवे
पी. ओ. बॉक्स नं. 1959
जीप 77501 पसाडेना टेक्सास
यूएसए

(घ) मै. शैल कैमिकल्स
डियर पार्क कैमिकल प्लांट एंड रिफायनरी
5900 हाईवे 225
डियर पार्क टेक्सास
यूएसए

(ड.) मै. फोर्मास कैमिकल्स एंड फाइबर कार्पोरेशन
फार्मोसा प्लास्टिक्स ग्रुप
201 तुंग हुआ नॉर्थ रोड
ताइपेई (ताइवान आरओसी)

(च) मै. कुमहो पी एण्ड बी कैमिकल्स इंक
319, ह्वाची- डांग,
येसू सिटी, चोल्ला नाम- डो
कोरिया गणराज्य

(viii) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना माँगते हुए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों और उपभोक्ताओं को प्रश्नावली भेजी गई थी। तथापि, संबद्ध वस्तु के किसी भी आयातक से प्रश्नावली का कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है।

- (1) मै. सी. जे. शाह एंड कंपनी
105, बजाज भवन,
10वीं मंजिल, नरीमन प्वाइंट,
मुम्बई- 400021
- (2) मै. हरेश कुमार एंड कंपनी
1212, मेकर चैम्बर्स
5 जमनालाल बजाज रोड,
नरीमन प्वाइंट,
मुम्बई- 400021
- (3) मै. पी. सी. एल. इंडस्ट्रीज,
एम-105, कनॉट प्लेस,
नई दिल्ली- 110001
- (4) मै. कांतिलाल मणिलाल एंड कं.
16, प्रिंसेस स्ट्रीट
मुम्बई- 400003
- (5) सोनकमल इंटरप्राइजेज
10, देवदर्शन अपार्टमेंट
ओल्ड नागरदास रोड अँधेरी (ईस्ट)
मुम्बई- 400069

- (6) मै. खेतान ब्रदर्स
सी-17, डालिया इंडस्ट्रियल एरिया
न्यू लिंक रोड के नजदीक,
लक्ष्मी इंडस्ट्रियल एस्टेट के सामने,
अंधेरी (वेस्ट), मुम्बई- 400058
- (7) मै. शुभम डाइज एंड कैमिकल्स लि.
1/26, रूप नगर,
दिल्ली- 110007
- (8) एक्रोन इंटरप्राइजेज
प्लॉट सं. 218-219/3,
जीआईडीसी, नरोदा, अहमदाबाद
पिन कोड- 382330, गुजरात
- (9) मै. नैकनवारे कैमिकल्स लि.
1, विद्या भवन, 121, कुलेसकर रोड,
शिवाजी पार्क, दादर (वेस्ट),
मुम्बई (महाराष्ट्र)
- (10) मै. पारस डाइज एंड कैमिकल्स
12वीं मंजिल, विजया बिल्डिंग
17, बाराखंबा रोड,
नई दिल्ली- 1
- (11) मै. टोरेट फार्मास्यूटिकल्स लि.
आश्रम रोड,
अहमदाबाद रोड- 380009
गुजरात
- (12) मै. यूनाइटेड फास्फोरस लि.
एडीमनी टैरेस, 167,
डॉ. एनी बेसेंट रोड,
वरली, मुम्बई- 400018

- (13) मै. रेजिन एंड प्लास्टिक्स लि.
क्रॉस रोड बी,
मुम्बई- 400093
- (14) मै. कैलाश पॉलीमर्स
60, कृष्णा मार्केट,
कालका जी, नई दिल्ली
- (15) सेंट्रम मेटलिक्स प्रा. लि.
6/221, देवधर रोड,
मतुंगा- 400019
मुम्बई
- (16) मै. वंडर लेमिनेट्स प्रा. लि.
14, भाषा, डायमंड हार्बर रोड,
कोलकाता
- (17) मेघदेव इंटरप्राइजेज
पी. के. हाउस, एच/एचएमजे लाइब्रेरी,
एलिस ब्रिज, अहमदाबाद
- (18) मै. सतगुरु इंटरनेशनल
204-बी, पॉकेट-12, जसोला विहार
अपोलो अस्पताल के सामने,
नई दिल्ली
- (19) मै. हाई पॉलिमर्स लैब्स लि.
803, विशाल भवन,
95, नेहरू प्लेस,
नई दिल्ली
- (20) मै. रेनबो कलर्स एंड कैमिकल्स
14/ए, भाविक कॉम्प्लेक्स
घोड डोड रोड,
सूरत, गुजरात

- (21) मै. ब्लिच मार्केटिंग प्रा. लि.
120, ब्लिच कैम कम्पाउंड
चंदोला के निकट, अहमदाबाद
- (22) मै. कारमेन इंटरनेशनल (प्रा.) लि.
31ए/20, एनपी, सिडको इंडस्ट्रियल एस्टेट
चेन्नई
- (23) मै. कृष्णा एंटी ऑक्सीडेंट्स प्रा. लि.
लोपस मैनर, आईसी कॉलोनी
चंद्रा हो के निकट,
मुम्बई
- (24) मै. एनजीपी इंडस्ट्रीज लि.
एम-13, पुंज हाउस,
नई दिल्ली
- (25) मै. फार्मसन फार्मास्यूटिकल गुजरात लि.
5वीं मंजिल, कॉमर्स सेंटर,
सयाजीगंज, बड़ोदा
- (26) मै. इंडिया ग्लाइकोल्स लि.
सी-124, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया
फेज-1, नई दिल्ली
- (27) मै. सिंघ प्लास्टिसाइजर्स एंड रेजिन्स (आई) प्रा.
बी-316, तीसरी मंजिल,
सोमदत्त चैम्बर- 1,
भीका, नई दिल्ली
- (28) मै. नेशनल प्लाइवुड इंडस्ट्रीज लि.
5, फैंसी लेन, 700001
कोलकाता
- (ix) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय अंश सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया जिसे हितबद्ध पार्टियों के निरीक्षण हेतु खुला रखा;

- (x) पिछले तीन वर्षों और जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरों की व्यवस्था करने के लिए वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई एण्ड एस) से अनुरोध किया गया था;
- (xi) सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु की ईष्टतम लागत और उसे बनाने और बेचने की लागत निकाली गई थी ताकि इस बात का पता लगाया जा सके कि पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति दूर करने के लिए पर्याप्त होगा;
- (xii) यह जाँच 1 जुलाई, 2005 से 30 जून, 2006 तक की अवधि (जांच अवधि) के लिए की गई थी। क्षति संबंधी विश्लेषण के संबंध में रुझानों की जांच में अप्रैल, 2003- मार्च, 2004; अप्रैल, 2004- मार्च, 2005; अप्रैल, 2005- मार्च, 2006 की अवधि और जांच अवधि शामिल थी।
- (xiii) *** इस अधिसूचना में गोपनीय आधार पर आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने नियमानुसार उसे गोपनीय ही माना है।

ख. विचाराधीन उत्पाद

3. विचाराधीन उत्पाद “ फेनोल ” है।

4. फेनोल एक कार्बनिक रसायन है जिसे कार्बोलिक एसिड के रूप में भी जाना जाता है और इसका उपयोग फेनोल फॉर्मल्डिहाइड रेजिनो, लैमिनेट्स, प्लाइवुड, पाटिकल बोर्ड, बिस्फेनोल-ए, अल्काइल फेनोल्स, भेषजों, डाइ फिनाइल ऑक्साइड और अनुषंगी रसायनों के विनिर्माण में किया जाता है। फेनोल क्रमशः सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 और 27, उप शीर्ष 20971110, 27079900 के अंतर्गत वर्गीकृत है।

5. यह दो ग्रेडों अर्थात् क्रिस्टलिन और हाइड्रेटेड में बेचा जाने वाला मूल कार्बनिक रसायन है। दोनों ग्रेडों को फेनोल की प्रवाह संबंधी विशेषताओं के आधार पर अलग-अलग किया जाता है। इसका विपणन दो रूपों- खुला/बल्क तथा डिब्बाबंद रूप में किया जाता है।

ख.1. समान वस्तु

6. घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित “ फेनोल ” विचाराधीन उत्पाद के समानुरूप है और इसलिए इसे इस जाँच के प्रयोजनार्थ समान वस्तु माना जा रहा है।

ग. घरेलू उद्योग का आधार और जांच की शुरुआत

7. यह याचिका मै. हिन्दुस्तान ऑर्गेनिक कैमिकल्स लि., मुम्बई और मै. एस. आई. ग्रुप- इण्डिया लि., मुम्बई (पूर्व में सैनेक्टरी हरदिलिया लि. के रूप में ज्ञात) द्वारा संयुक्त रूप से दायर की गई है। देश में इस उत्पाद का कोई अन्य ज्ञात उत्पादक नहीं है। यह पाया गया है कि मै. एस. आई. ग्रुप- इण्डिया लि.,

मुम्बई (पूर्व में सैनेक्टरी हरदिलिया लि. के रूप में ज्ञात) ने संबद्ध देश (देशों) से संबद्ध वस्तु का आयात सीमाशुल्क का पर्याप्त भुगतान करके किया है। अतः प्राधिकारी ने मै. एस. आई. ग्रुप- इण्डिया लि., मुम्बई (पूर्व में सैनेक्टरी हरदिलिया लि. के रूप में ज्ञात) को “घरेलू उद्योग” के दायरे से अलग रखना उचित समझा है। वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ मै. हिन्दुस्तान ऑर्गेनिक कैमिकल्स लि. एकमात्र “घरेलू उद्योग” होगा।

घ. अन्य अनुरोध तथा उठाए गए मुद्दे

8. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कोरिया गणराज्य, ताईवान या अमरीका में संबद्ध वस्तु के किसी भी उत्पादक और भारत में किसी उपभोक्ता या आयातक ने निर्दिष्ट प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है और न ही घरेलू उद्योग को छोड़कर किसी पार्टी ने वर्तमान जांच से संगत कोई सूचना उपलब्ध कराई है।

ड. कोरिया गणराज्य

ड.1. कोरिया गणराज्य के लिए सामान्य मूल्य

9. किसी भी निर्यातक ने जांच शुरूआत संबंधी सूचना का उत्तर नहीं दिया है और कोई सूचना भी प्रस्तुत नहीं की है। किसी प्रकार के आंकड़ों के अभाव में प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों पर भरोसा किया है। सामान्य मूल्य का परिकलन उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है। सामान्य मूल्य निकालने के लिए बेंजीन की कीमत डीजीसीआईएस के आंकड़ों से और प्रोपीलीन की कीमत आईसीआईएस एलओआर एशिया के आंकड़ों से ली गई है। घरेलू उद्योग के खपत संबंधी मानदंडों और मानक निविष्टि- उत्पादन मानदण्डों (एसआईओएन) पर भरोसा किया गया है। उपयोगिताओं के लिए विद्युत को छोड़कर घरेलू उद्योग के खपत संबंधी मानदंडों और कीमतों को लिया गया है। विद्युत के लिए दर निर्यातक देश में विद्युत दर के बारे में उपलब्ध सूचना के अनुसार ली गई है। परिवर्तन लागत, जिसमें श्रम, मूल्य ह्रास तथा विनिर्माण खर्च शामिल है, को घरेलू उद्योग के अनुसार लिया गया है। ब्याज सहित एसजीए को घरेलू उद्योग के अनुसार लिया गया है। उत्पादन लागत पर *** की दर से लाभ मार्जिन माना गया है। इस क्रियाविधि को अपनाकर बल्क फेनोल के लिए परिकलित सामान्य मूल्य की संगणना *** अम. डा. प्रति मी. टन की गई है। डिब्बाबंद सामग्री के लिए घरेलू उद्योग की पैकिंग सामग्री की लागत को सामान्य मूल्य निकालने के लिए जोड़ा गया है। इस पद्धति से डिब्बाबंद फेनोल के सामान्य मूल्य की गणना *** अम. डा. प्रति मी. टन की गई है।

ड.2. असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

10. कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत की गणना करने के लिए कोरिया गणराज्य के निर्यातों हेतु डीजीसीआईएस द्वारा सूचित आंकड़ों पर भरोसा किया गया है। डीजीसीआईएस के आंकड़ों में जांच अवधि के दौरान बल्क और डिब्बाबंद दोनों प्रकार की सामग्री के आयात का पता चलता है। कारखाना द्वार पर

निर्यात कीमत निकालने के लिए समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, कमीशन, अंतर्देशीय भाड़े, पत्तन व्यय, बैंक प्रभारों तथा ऋण लागत के लिए समायोजन किया गया है। उपर्युक्त पद्धति को अपनाकर बल्क सामग्री हेतु कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत की गणना *** अम. डा. प्रति मी. टन की गई है। डिब्बाबंद सामग्री के लिए कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत की गणना *** अम. डा. प्रति मी. टन की गई है।

ड.3. ताईवान

ड.4. ताईवान के लिए सामान्य मूल्य

11. ताईवान के किसी भी निर्यातक ने जांच शुरुआत संबंधी सूचना का उत्तर नहीं दिया है। किसी उत्तर के अभाव में सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों पर भरोसा किया है। सामान्य मूल्य का परिकलन करने के लिए बेंजीन की कीमत डीजीसीआईएस के आंकड़ों से और प्रोपीलीन की कीमत आईसीआईएस एलओआर एशिया से ली गई है। घरेलू उद्योग के खपत संबंधी मानदंडों और एसआईओएन पर भरोसा किया गया है। उपयोगिताओं के लिए विद्युत को छोड़कर, जिसकी दर निर्यातक देश में विद्युत दर के बारे में उपलब्ध सूचना के अनुसार ली गई है, घरेलू उद्योग के खपत संबंधी मानदंडों और कीमतों को लिया गया है। परिवर्तन लागत घरेलू उद्योग के अनुसार ली गई है। ब्याज सहित एसजीए घरेलू उद्योग के अनुसार लिया गया है। उत्पादन लागत पर *** की दर से पाटन मार्जिन पर विचार किया गया है। इस क्रियाविधि को अपनाकर बल्क फेनोल हेतु परिकलित सामान्य मूल्य की गणना *** अम. डा. प्रति मी. टन की गई है। डिब्बाबंद सामग्री के लिए घरेलू उद्योग की पैकिंग सामग्री की लागत सामान्य मूल्य की गणना हेतु जोड़ी गई है। इस पद्धति द्वारा डिब्बाबंद फेनोल के सामान्य मूल्य की गणना *** अम. डा. प्रति मी. टन की गई है।

ड.5 असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

12. कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत की गणना करने के लिए ताईवान के निर्यातों हेतु डीजीसीआई एण्ड एस द्वारा सूचित आंकड़ों पर भरोसा किया गया है। डीजीसीआई एण्ड एस के आंकड़ों में जांच अवधि के दौरान बल्क और डिब्बाबंद दोनों प्रकार की सामग्री के निर्यात का पता चलता है। कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत निकालने के लिए समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, कमीशन, अंतर्देशीय भाड़े, पत्तन व्यय, बैंक प्रभारों तथा ऋण लागत के लिए समायोजन किया गया है। उपर्युक्त पद्धति को अपनाकर बल्क सामग्री हेतु कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत की गणना *** अम. डा. प्रति मी. टन की गई है। डिब्बाबंद सामग्री के लिए कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत की गणना *** अम. डा. प्रति मी. टन की गई है।

ड.6. अमरीका

ड.7. अमरीका के लिए सामान्य मूल्य

13. अमरीका के किसी भी निर्यातक ने जांच शुरुआत संबंधी सूचना का उत्तर नहीं दिया है और न ही कोई सूचना प्रस्तुत की है। किसी आंकड़े के अभाव में सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों पर भरोसा किया है। इस प्रयोजनार्थ जांच अवधि के लिए आईसीआईएस एलओआर (यूएस गल्फ) में सूचित बेंजीन तथा प्रोपीलीन की औसत कीमत को सामान्य मूल्य के रूप में लिया गया है। घरेलू उद्योग के खपत संबंधी मानदंडों और

एसआईओएन पर भरोसा किया गया है। जांच अवधि के दौरान उपयोगिताओं के लिए विद्युत को छोड़कर, जिसकी दर निर्यातक देश में विद्युत दर के बारे में उपलब्ध सूचना के अनुसार ली गई है, घरेलू उद्योग के खपत संबंधी मानदंडों और कीमतों को लिया गया है। परिवर्तन लागत घरेलू उद्योग के अनुसार ली गई है। धातु सहित एसजीए घरेलू उद्योग के अनुसार लिया गया है। उत्पादन लागत पर *** की दर से पाटन मार्जिन पर विचार किया गया है। इस क्रियाविधि को अपनाकर बल्क बल्क हेतु परिकल्पित सामान्य मूल्य की गणना *** अम. डा. प्रति मी. टन की गई है। डिब्बाबंद सामग्री के लिए घरेलू उद्योग की पैकिंग सामग्री की लागत सामान्य मूल्य की गणना हेतु जोड़ी गई है। इस पद्धति द्वारा डिब्बाबंद फेनोल के सामान्य मूल्य की गणना *** अम. डा. प्रति मी. टन की गई है।

ड.8. असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

14. कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत की गणना करने के लिए अगरीका के निर्यातों हेतु डीजीसीआई एण्ड एस द्वारा सूचित आंकड़ों पर भरोसा किया गया है। डीजीसीआई एण्ड एस के आंकड़ों में जांच अवधि के दौरान बल्क और डिब्बाबंद दोनों प्रकार की सामग्री के निर्यात का पता चलता है। कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत निकालने के लिए समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, कमीशन, अंतर्देशीय भाड़े, वजन व्यय, बैंक प्रभारों तथा ऋण लागत के लिए समायोजन किया गया है। उपर्युक्त पद्धति को अपनाकर बल्क सामग्री हेतु कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत की गणना *** अम. डा. प्रति मी. टन की गई है। डिब्बाबंद सामग्री के लिए कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत की गणना *** अम. डा. प्रति मी. टन की गई है।

ड.9. पाटन मार्जिन

15. ऊपर निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के आधार पर निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नलिखित तालिका के अनुसार किया गया है। जैसा कि पूर्व में बताया गया है कि किसी भी निर्यातक से उत्तर प्राप्त नहीं हुआ था और इसलिए संबद्ध देशों के सभी निर्यातकों को असहयोगी निर्यातक माना गया है :-

अम. डा. में (प्रति मी. टन)

निम्न देशों के निर्यातक/उत्पादक	सामान्य मूल्य- बल्क	सामान्य मूल्य- डिब्बाबंद	निर्यात कीमत- बल्क	निर्यात कीमत- डिब्बाबंद	पाटन मार्जिन- बल्क	पाटन मार्जिन- डिब्बाबंद	भारित पाटन मार्जिन
कोरिया- गणराज्य	****	****	****	****	****	****	27.28%
ताईवान	****	****	****	****	****	****	21.20%
यूएसए	****	****	****	****	****	****	33.45%

16. इस प्रकार से निर्धारित पाटन मार्जिन अनंतिम रूप से पर्याप्त और न्यूनतम सीमा से अधिक है।

च. क्षति निर्धारण एवं कारणात्मक संबंध की जांच हेतु क्रियाविधि

च.1. घरेलू उद्योग के विचार

17. घरेलू उद्योग के विचार निम्नानुसार हैं :-

(क) जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से निर्यात की कीमत पाटन स्तर पर नहीं रही है। इसके अलावा, आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक इन कीमतों में निविष्टि की कीमतों में हुई वृद्धि के अनुपात में बढ़ोतरी नहीं हुई है।

(ख) वर्ष 2004-05 में सुधार होने के बाद घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री मात्रा और क्षमता उपयोग में गिरावट आई है।

(ग) वर्ष 2004-05 में सुधार के बाद घरेलू उद्योग के लाभ/हानि (पीबीटी, पीबीआईटी और पीबीडीआईटी) सभी में पर्याप्त गिरावट देखी गई है।

(घ) घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है। ऐसा इस तथ्य की वजह से हुआ है कि पाटित आयातों ने भारत में माँग के बड़े बाजार हिस्से पर कब्जा कर लिया है।

(ङ.) संबद्ध देशों में से प्रत्येक देश से हुए आयात द्वारा घरेलू उद्योग की कीमतों में पर्याप्त कटौती हो रही है।

(च) वर्ष 2005-06 और प्रस्तावित जाँच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से हुए आयातों के कारण कीमत में तेजी से कमी करने के लिए बाध्य होना पड़ा है। इस प्रकार, इस अवधि में आयातों से कीमतों का ह्रास हो रहा था।

(छ) घरेलू उद्योग के रोजगार के स्तरों में कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ है।

(ज) वेतन एवं मजदूरी :- घरेलू उद्योग की वेतन एवं मजदूरी में वृद्धि हुई है।

(झ) माँग एवं बाजार हिस्सा :- जहाँ आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है वहीं घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है।

(ञ) वृद्धि :- अनेक मापदण्डों के संबंध में घरेलू उद्योग की वृद्धि में नकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है।

(ट) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और वह मात्रा संबंधी प्रभाव एवं कीमत प्रभाव के कुचक्र में फँस गया है। विदेशी उत्पादकों के पास अतिरिक्त क्षमता के परिणामस्वरूप भारतीय बाजार में संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा में वृद्धि होने के कारण घरेलू उद्योग को बिक्री का घाटा हुआ है और बाजार हिस्से का नुकसान हुआ है। इसकी परिणति प्रतिकूल मात्रात्मक प्रभाव के रूप में हुई है। बिक्री में घाटे के कारण घरेलू उद्योग घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की बिक्री करने के लिए अपनी घरेलू बिक्री कीमत कम करने के लिए बाध्य हुआ है जिससे कीमत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। निर्यातकों ने बिक्री कीमत में आगे और कमी की जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग ने कीमत में आगे और कमी की और यह प्रक्रिया जारी रही। परिणामतः घरेलू उद्योग पर निर्यातक देशों के अनुचित व्यापार व्यवहारों के परिणामस्वरूप मात्रा पर प्रतिकूल प्रभाव और कीमत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

(ठ) संबद्ध देशों से आयातों द्वारा वास्तविक क्षति में वृद्धि हो रही है जिसका सामना घरेलू उद्योग पहले से ही कर रहा है।

(ड) आयात की मात्रा में समग्र रूप में पर्याप्त वृद्धि हुई है। आयातों में यह वृद्धि ईष्टतम से कम कीमत पर भी अपनी सामग्री बेचने के लिए घरेलू उद्योग द्वारा किए गए सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद हुई है। यदि घरेलू उद्योग ने कम कीमतों की पेशकश करके इन पर अंकुश लगाने के प्रयास नहीं किए होते तो आयातों में वृद्धि और अधिक हुई होती।

(ढ) कीमत में भारी कटौती हुई है। समान कीमतों की पेशकश करने के बावजूद घरेलू उत्पाद एवं आयात उत्पाद के बीच कीमत में सकारात्मक अंतर है। शामिल उत्पाद के स्वरूप को देखते हुए घरेलू उत्पाद एवं आयातित उत्पाद के बीच कीमत में कोई अंतर ग्राहकों को स्वीकार्य नहीं है और घरेलू उद्योग कीमत में कमी करने के सतत दबाव में है। घरेलू उद्योग आयातित कीमतों से अत्यधिक उच्च कीमतों पर बिक्री नहीं कर सकता। घरेलू उद्योग के पास एकमात्र विकल्प यह है कि इसकी बिक्री समान कीमतों पर की जाए। इस प्रकार के उत्पाद में कीमत में मामूली अंतर भी भारी प्रभाव डालता है।

(ण) याचिकाकर्ता ने घरेलू उद्योग पर संभावित प्रभाव के संबंध में विश्व भर में संबद्ध देशों से हुए निर्यातों का व्यापक विश्लेषण किया। संबद्ध देशों के वैश्विक निर्यातों में वृद्धि की प्रवृत्ति दिखाई दे रही है जिससे विदेशी उत्पादकों के पास अप्रयुक्त बेशी क्षमताओं का स्पष्ट पता चलता है जिन्हें पाटित कीमतों पर भारत में उतारे जाने की संभावना है।

च.2 प्राधिकारी द्वारा जांच

च.3. क्षति का संचयी निर्धारण

18. नियमावली के अनुबंध 2(iii) के अनुसार यदि एक से अधिक देश से किसी उत्पाद के आयातों की साथ-साथ पाटनरोधी जांच की जा रही हो तो प्राधिकारी के लिए ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उस स्थिति में करना अपेक्षित होता है जब वह यह निर्धारित करता है कि

(क) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में पुष्टिकृत पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त 2% से अधिक है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयातों की 3% है; और

(ख) आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के मद्देनजर आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है।

19. प्राधिकारी ने पाया है कि संबद्ध देशों में से प्रत्येक देश के संबंध में पाटन मार्जिन 2% से अधिक है और प्रत्येक देश से हुए आयातों की मात्रा भी 3% से अधिक है।

20. आयातित उत्पादों और समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों का निर्धारण करने की दृष्टि से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि-

- i) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का आयात एक समान टैरिफ वर्गीकरण के अंतर्गत किया गया है;
- ii) प्राधिकारी ने यह पाया है कि आयातित संबद्ध वस्तु घरेलू रूप से उत्पादित फेनोल का वाणिज्यिक स्थानापन्न है;
- iii) प्राधिकारी को प्रस्तुत सूचना से इस बात का तर्कसंगत संकेत मिलता है कि संबद्ध देशों से किए गए निर्यात उसी बाजार में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं क्योंकि ये समान उत्पाद हैं।

21. अतः प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयातित उत्पादों और समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के मद्देनजर घरेलू रूप से उत्पादित समान वस्तु पर संबद्ध वस्तु के आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण करना उचित है।

22. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत विभिन्न तर्कों को नोट किया है (अन्य हितबद्ध पार्टियों से कोई उत्तर नहीं मिला था)।

23. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II में यह अपेक्षा की गई है कि क्षति के निर्धारण में निम्नलिखित दोनों की तथ्यपरक जांच शामिल होगी :

- (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पादों के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव; तथा
- (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों का परिणामी प्रभाव ।

24. पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित होता है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है । जहाँ तक पाटित आयातों के कीमत संबंधी प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में पर्याप्त कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा पर्याप्त स्तर तक गिरावट आई है अथवा कीमत में ऐसी वृद्धि रोकी गई है जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती ।

25. क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के संचयी प्रभाव और उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले समस्त संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों के प्रभाव की जांच की है ताकि क्षति की मौजूदगी और पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंध, यदि कोई हो, का मूल्यांकन किया जा सके ।

26. चूँकि संबद्ध देशों से हुए निर्यातों के लिए पर्याप्त पाटन मार्जिन की पुष्टि की गई है इसलिए संबद्ध देशों के समूचे निर्यातों को क्षति विश्लेषण तथा कारणात्मक संबंध की जांच के प्रयोजनार्थ पाटित आयात माना गया है ।

च.4. पाटित आयातों का मात्रा संबंधी प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव

27. प्राधिकारी ने डीजीसीआई एण्ड एस से संबद्ध वस्तु के आयातों के सौदे- वार ब्यौरे एकत्र किए । आंकड़ों के अनुसार संबद्ध देशों से हुए संचयी आयातों में समग्र रूप में और भारत में हुए आयातों के संबंध में पर्याप्त वृद्धि हुई है । जांच अवधि में कोरिया गणराज्य, ताईवान और अमरीका से हुए आयातों का हिस्सा क्रमशः 10.66%, 27.21% और 20.59% रहा है । संबद्ध देशों से हुए आयात अलग- अलग रूप में न्यूनतम सीमा से अधिक हैं । प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि अमरीका से हुए आयातों के हिस्से में क्षति अवधि की तुलना में जांच अवधि में गिरावट आई है (वर्ष 2003-04 में 35.34% की तुलना में जांच अवधि में घटकर 20.59%) तथापि आयातों में संबद्ध देशों का हिस्सा 2003-04 में 35.34% से बढ़कर जांच अवधि में 58.46% हो गया है ।

च.4.1 मात्रा संबंधी प्रभाव तथा संबद्ध देश का हिस्सा

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	वार्षिक जांच अवधि
कोरिया गणराज्य	मी. टन	0	32	7017	9765
ताईवान		0	1985	24743	24920
यूएसए		23123	15410	23832	18853
संबद्ध देश	मी. टन	23123	17427	55591	53538

प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	75	240	232
अन्य देश	मी. टन	42302	47607	37850	38040
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	113	89	90
कुल आयात	मी. टन	65425	65034	93441	91578
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100.00	99.40	142.82	140
आयात में बाजार हिस्सा					
कोरिया गणराज्य	%	0	0.05	7.51	10.66
ताईवान	%	0	3.05	26.48	27.21
यूएसए	%	35.34	23.70	25.50	20.59
संबद्ध देश	%	35.34	26.80	59.49	58.46
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100.00	75.82	168.33	165.42
अन्य देश	%	64.66	73.20	40.51	41.54
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100.00	113.22	62.65	64.24
		100.00	100.00	100.00	100.00
घरेलू उद्योग का उत्पादन	मी. टन	40094	48403	28754	34275
संबद्ध देशों से आयात	मी. टन	23123	17427	55591	53538
घरेलू उद्योग के उत्पादन के प्रतिशत के रूप में संबद्ध देशों से आयात	%	57.67	36	193.34	156.20

च.5. माँग, उत्पादन एवं बाजार हिस्सा

च.5.1 माँग में वृद्धि

च.5.1.1 कैप्टिव खपत सहित माँग में वृद्धि

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	वार्षिक जाँच अवधि
घरेलू उद्योग	मी. टन	37583	44265	28143	32548
अन्य उत्पादक	मी. टन	35090	35410	28475	28289
कुल आयात	मी. टन	65425	65034	93441	91578
कुल माँग	मी. टन	138098	144710	150059	152415
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100.00	104.79	108.66	110.36

च.5.1.2 कैप्टिव खपत को छोड़कर माँग में वृद्धि

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	वार्षिक जाँच अवधि
घरेलू उद्योग	मी. टन	37583	44265	28143	32548
अन्य उत्पादक	मी. टन	32329	34099	26952	26561
कुल आयात	मी. टन	65425	65034	93441	91578
कुल माँग	मी. टन	135337	143399	148536	150687
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100.00	105.96	109.75	111.34

28. संबद्ध वस्तु की माँग का निर्धारण घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री (कैप्टिव बिक्री सहित) और सभी देशों से हुए समस्त आयातों को जोड़कर किया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष से लेकर जाँच अवधि तक संबद्ध वस्तु की माँग में वृद्धि हुई थी। आधार वर्ष अर्थात् 2003-04 की तुलना में जाँच अवधि के दौरान इसमें 10% की वृद्धि हुई।

29. कैप्टिव बिक्री को छोड़कर संबद्ध वस्तु की माँग की वृद्धि में भी इसी प्रकार के रुझानों का पता चलता है। आधार वर्ष की तुलना में इसमें 11% की वृद्धि हुई है।

30. संबद्ध देशों से हुए आयातों में घरेलू उद्योग के उत्पादन के संबंध में वृद्धिकारी प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है। आधार वर्ष 2003-04 में घरेलू उद्योग के उत्पादन के संबंध में संबद्ध देशों से केवल 58% आयात हुए थे जो जांच अवधि में प्रतिशत के रूप में बढ़कर 156.20% हो गए हैं।

च.6. घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन और क्षमता उपयोग

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	वार्षिक जांच अवधि
स्थापित क्षमता	मी. टन	40000	40000	40000	40000
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100.00	100.00	100.00	100.00
उत्पादन	मी. टन	40094	48403	28754	34275
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100.00	120.72	71.72	85.68
क्षमता उपयोग (%)	%	100	121	72	86
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100.00	120.72	71.72	85.68

31. क्षमता, उत्पादन एवं क्षमता उपयोग के बारे में घरेलू उद्योग के आंकड़ों से यह पता चलता है कि वर्ष 2003-04 के दौरान घरेलू उद्योग की क्षमता 40,000 मी. टन थी और इसमें जांच अवधि के दौरान कोई परिवर्तन नहीं हुआ था। वर्ष 2004-05 में वृद्धि होने के बाद 2003-04 में संबद्ध वस्तु का उत्पादन 40,094 मी. टन का हुआ जो 2005-06 के दौरान घटकर 28754 मी. टन हो गया और जांच अवधि के दौरान यह 34,275 मी. टन था। घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग जो 2004-05 के दौरान 121% था जो आधार वर्ष 2003-04 में रहे 100% की तुलना में घटकर जांच अवधि के दौरान 86% हो गया। प्राधिकारी नोट करते हैं कि 2005-06 में उत्पादन में गिरावट कम्पनी द्वारा प्रमुख कच्ची सामग्री की खरीद में कठिनाइयों के कारण लम्बे समय तक, की गई तालाबन्दी के कारण आई है। तथापि, कम्पनी ने जांच अवधि में पूर्ण उत्पादन पुनः शुरू कर दिया और वह 2003-04 तथा 2004-05 में उत्पादित मात्रा का ही उत्पादन कर सका। जांच अवधि के दौरान जब संयंत्र अपनी स्थापित क्षमता तक उत्पादन करने के लिए तैयार था तब यह क्षमता के केवल 86% तक ही प्रचालन कर सका।

च.7. घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	वार्षिक जांच अवधि
घरेलू उद्योग	मी. टन	37583	44265	28143	32548
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100.00	117.78	74.88	86.60

32. बिक्री संबंधी आंकड़ों से यह पता चलता है कि 2003-04 के दौरान घरेलू उद्योग ने संबद्ध वस्तु के 37583 मी. टन की बिक्री की जो जांच अवधि के दौरान घटकर 32548 मी. टन हो गई। इस प्रकार आधार वर्ष 2003-04 की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री घटकर 87% रह गई।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष 2004-05 के दौरान घरेलू उद्योग 44265 मी. टन की बिक्री कर सका और जांच अवधि के दौरान बिक्री पूर्व में की गई बिक्री के स्तरों से काफी कम रही थी।

33. घरेलू उद्योग की बिक्री से संबंधित उपर्युक्त आंकड़ों से यह पता चलता है कि आधार वर्ष 2003-04 की तुलना में जांच अवधि के दौरान बिक्री में 13% की गिरावट आई यद्यपि जांच अवधि के दौरान की गई बिक्री 2005-06 में की गई बिक्री के स्तर से अधिक हुई थी। जैसा कि ऊपर नोट किया गया है कि वर्ष 2005-06 के दौरान उत्पादन में गिरावट कम्पनी द्वारा लम्बे समय तक की गई तालाबन्दी के कारण आई है और ऐसा ही बिक्री के मामले में हुआ है। यह भी नोट किया जाता है कि 2004-05 के दौरान घरेलू उद्योग जांच अवधि के दौरान हुई 32548 मी. टन बिक्री की तुलना में 44265 मी. टन की बिक्री कर सका।

च.8. कैप्टिव खपत सहित माँग एवं बाजार हिस्सा

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	वार्षिक जांच अवधि
घरेलू उद्योग	मी. टन	37583	44265	28143	32548
अन्य उत्पादक	मी. टन	35090	35410	28475	28289
कुल आयात	मी. टन	65425	65034	93441	91578
कुल माँग	मी. टन	138098	144710	150059	152415
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100.00	104.79	108.66	110.36
माँग में बाजार हिस्सा					
घरेलू उद्योग	%	27.21	30.59	18.75	21.35
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100.00	112.40	68.91	78.46
अन्य उत्पादक	%	25.41	24.47	18.98	18.56
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100.00	96.30	74.68	73.04
कोरिया गणराज्य	%	0.00	0.02	4.68	6.41
ताईवान	%	0.00	1.37	16.49	16.35
यूएसए	%	16.74	10.65	15.88	12.37
संबद्ध देश	%	16.74	12.04	37.05	35.13
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100.00	71.92	221.25	209.86
अन्य देशों से आयात	%	30.63	32.90	25.22	24.96
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100.00	107.40	82.34	81.49

च.8.1. कैप्टिव खपत को छोड़कर माँग एवं बाजार हिस्सा

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	वार्षिक जांच अवधि
घरेलू उद्योग	मी. टन	37583	44265	28143	32548
अन्य उत्पादक	मी. टन	32329	34099	26952	26561
कुल आयात	मी. टन	65425	65034	93441	91578
कुल माँग	मी. टन	135337	143399	148536	150687
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100.00	105.96	109.75	111.34

माँग में बाजार हिस्सा					
घरेलू उद्योग	%	27.77	30.87	18.95	21.60
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100.00	111.16	68.23	77.78
अन्य उत्पादक	%	23.89	23.78	18.14	17.63
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100.00	99.55	75.96	73.80
कोरिया गणराज्य	%	0.00	0.02	4.72	6.48
ताईवान	%	0.00	1.38	16.66	16.54
यूएसए	%	17.09	10.75	16.04	12.51
संबद्ध देश	%	17.09	12.15	37.43	35.53
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100.00	71.13	219.05	207.90
अन्य देशों से आयात	%	31.26	33.20	25.48	25.24
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100.00	106.21	81.52	80.74

34. संबद्ध देशों से हुए आयातों में भारत में खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है जो 2003-04 में 16.74% से बढ़कर जांच अवधि में 35.13% हो गए हैं।

35. संबद्ध देशों की माँग में सतत वृद्धि हुई है। आधार वर्ष 2003-04 की तुलना में जांच अवधि में माँग 10% अधिक रही थी। घरेलू उद्योग का हिस्सा जो 2003-04 में 27.21% था, जांच अवधि में घटकर 21.35% हो गया। इसी अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयातों का हिस्सा 2003-04 में 16.74% से बढ़कर जांच अवधि में 35.13% हो गया। यह भी नोट किया जाता है कि पाटित आयातों से न केवल माँग में वृद्धि में रूकावट आई अपितु घरेलू उद्योग के लिए भी मुसीबतें खड़ी की।

36. संबद्ध वस्तु की माँग (कैप्टिव बिक्री को छोड़कर) ऐसी ही प्रवृत्ति दिखाई देती है। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान इसमें 11% की वृद्धि हुई। प्रवृत्ति से पता चलता है कि घरेलू उद्योग का हिस्सा 2003-04 में 28% से घटकर जांच अवधि के दौरान 22% हो गया। इसी अवधि के दौरान संबद्ध देशों का हिस्सा जो 2003-04 में 17% था जांच अवधि के दौरान बढ़कर 36% हो गया।

छ.1. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत संबंधी प्रभाव

37. जहाँ तक नियम 18 के उप नियम (2) में उल्लिखित कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या भारत के समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में भारी कटौती की गई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमत में अन्यथा पर्याप्त स्तर तक गिरावट आई है अथवा कीमत में ऐसी वृद्धि में रूकावट आई है जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।

38. संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव की जांच कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण, यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की भारित औसत उत्पादन लागत, भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति

(एनएसआर) तथा क्षति रहित कीमत (एनआईपी) की तुलना संबद्ध देशों से आयातों की पहुँच लागत के साथ की गई है।

छ.1.1 विचाराधीन अवधि की तुलना में कीमत का मूल्यांकन

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	वार्षिक जांच अवधि
बिक्री की लागत	रु./मी. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100.00	132.62	133.22	136.21
बिक्री कीमत (एनएसआर)	रु./मी. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100.00	146.88	120.64	122.62

छ.1.2 कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री संबंधी प्रभाव

	इकाई	बल्क	डिब्बाबंद	कुल भारत औसत (बल्क + डिब्बाबंद)
निवल बिक्री प्राप्ति (जांच अवधि)	रु./मी. टन	****	****	****
पहुँच मूल्य				
कोरिया गणराज्य	रु./मी. टन	47699	52980	48788
ताइवान	रु./मी. टन	49672	65874	51437
यूएसए	रु./मी. टन	47441	74539	49487
कुल संबद्ध देश	रु./मी. टन	48513	67300	50267
कीमत कटौती				
कोरिया गणराज्य	रु./मी. टन	****	****	****
ताइवान	रु./मी. टन	****	****	****
यूएसए	रु./मी. टन	****	****	****
कुल संबद्ध देश	रु./मी. टन	****	****	****
कीमत कटौती (%)				
कोरिया गणराज्य	%	****	****	****
ताइवान	%	****	****	****
यूएसए	%	****	****	****
कुल संबद्ध देश	%	****	****	****
गैर-क्षतिकारी कीमत	रु./मी. टन	****	****	****
कम कीमत पर बिक्री				
कोरिया गणराज्य	रु./मी. टन	****	****	****
ताइवान	रु./मी. टन	****	****	****
यूएसए	रु./मी. टन	****	****	****
कुल संबद्ध देश	रु./मी. टन	****	****	****
कम कीमत पर बिक्री (%)				
कोरिया गणराज्य	%	****	****	****
ताइवान	%	****	****	****

यूएसए	%	****	****	****
कुल संबद्ध देश	%	****	****	****

39. घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति की गणना करते समय घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित रिबेट, छूट और कमीशन तथा संदत्त केंद्रीय उत्पाद शुल्क की छूट प्रदान की गई है।

40. कीमत कटौती का निर्धारण समूची जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पाटित आयातों के भारत औसत पहुँच मूल्य की तुलना उसी अवधि के लिए घरेलू उद्योग की भारत औसत निवल बिक्री प्राप्ति के साथ कर के किया गया है। इस प्रयोजनार्थ आयातों के पहुँच मूल्य का निर्धारण संबद्ध देशों से आयात कीमतों के डीजीसीआई एण्ड एस के आंकड़ों में सूचित मूल्य में 1% उतराई प्रभार तथा लागू मूल सीमाशुल्क जोड़कर की गई है। जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से कीमत कटौती 4-10% के बीच रही थी।

41. कम कीमत पर बिक्री के प्रयोजनार्थ संबद्ध देशों से आयातों के भारत औसत पहुँच कीमत की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत के साथ की गई है इससे यह पता चलता है कि कम कीमत पर बिक्री 12-17% के बीच रही थी।

छ.1.3 पाटित आयातों का कीमत ह्रासकारी तथा न्यूनकारी प्रभाव

42. पाटित आयातों के कीमत ह्रासकारी प्रभाव की जांच भी उत्पादन लागत, निवल बिक्री प्राप्ति तथा संबद्ध देशों से पहुँच मूल्य के संदर्भ में की गई है।

43. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान बिक्री लागत में उर्ध्वगामी प्रवृत्ति रही थी। बिक्री लागत जो आधार वर्ष में 100 (सूचीकृत) थी जांच अवधि के दौरान मुख्यतः बेजीन तथा एलपीजी, जो पेट्रो आधारित उत्पाद हैं, की निविष्टि कीमत में वृद्धि होने के कारण बढ़कर 136.21 हो गई। प्राधिकारी नोट करते हैं कि बिक्री कीमत में यह वृद्धि 2004-05 तक की लागत से अधिक थी, तत्पश्चात बिक्री कीमत में वृद्धि लागत में बढ़ोत्तरी के अनुपात में नहीं हुई थी। उत्पादन लागत की प्रवृत्ति से यह पता चलता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान भारत औसत उत्पादन लागत में 36% की वृद्धि हुई जबकि बिक्री कीमत में जांच अवधि के दौरान केवल 23% की वृद्धि हुई। इससे यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग उत्पादन लागत में वृद्धि के अनुरूप बिक्री कीमत की प्राप्ति नहीं कर सका।

ज. क्षति संबंधी अन्य मापदण्डों की जांच

44. घरेलू उद्योग की मात्रा और कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव तथा आयातों की मात्रा एवं मूल्य, घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग एवं बिक्री जैसे प्रमुख क्षति संकेतकों के साथ-साथ पूर्ववर्ती खण्ड में विभिन्न क्षेत्रों के बाजार हिस्सों के साथ माँग प्रणाली की जाँच करने के बाद अन्य आर्थिक

मापदण्डों का विश्लेषण निम्नानुसार किया गया है जिससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति की मौजूदगी का पता चल सकता है :

ज.1. लाभ एवं नकदी प्रवाह पर वास्तविक तथा संभावित प्रभाव

		इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	वार्षिक जांच अवधि
बिक्री की लागत	रु./मी. टन	****	****	****	****	
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100.00	132.62	133.22	136.21	
	रु./मी. टन	****	****	****	****	
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100.00	146.88	120.64	122.62	
लाभ/हानि	रु./मी. टन	****	****	****	****	
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100.00	229.04	48.18	44.29	
कर पूर्व लाभ/हानि	रु./लाख	****	****	****	****	
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100.00	269.76	36.08	38.35	
पीबीआईटी	रु./लाख	****	****	****	****	
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100.00	252.73	39.14	41.36	
नकद लाभ	रु./लाख	****	****	****	****	
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100.00	261.57	37.26	39.49	

45. आंकड़ों से यह पता चलता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की भारत औसत उत्पादन लागत में 36% की वृद्धि हुई जिसके मुकाबले भारत औसत बिक्री कीमत में जांच अवधि के दौरान केवल 23% की वृद्धि हुई थी। प्रति यूनिट लाभ जो आधार वर्ष में 100 (सूचीकृत) था, 2004-05 में बढ़कर 129% और 2005-06 में घटकर 48% एवं जांच अवधि में 44% हो गया। घरेलू कीमतों पर घरेलू उद्योग का लाभ (पीबीआईटी) जो 2003-04 में 100 (सूचीकृत), 2004-05 में बढ़कर 154%, 2005-06 में घटकर 39% और जांच अवधि के दौरान 41% हो गया। प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष 2003-04 की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में भारी गिरावट आई है।

ज.2. निवेश पर आय और पूंजी जुटाने की क्षमता

		इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	वार्षिक जांच अवधि
पीबीआईटी		रु./लाख	****	****	****	****
प्रवृत्ति		सूचीकृत	100.00	252.73	39.14	41.36
निवल नियत परिसम्पत्तियाँ		रु./लाख	****	****	****	****
प्रवृत्ति		सूचीकृत	100.00	92.99	72.98	76.69
कार्यशील पूंजी		रु./लाख	****	****	****	****
प्रवृत्ति		सूचीकृत	100.00	151.40	121.59	141.50
लगाई गई पूंजी		रु./लाख	****	****	****	****

प्रवृत्ति	सूचीकृत	100.00	131.39	104.94	119.30
लगाई गई पूंजी पर आय (एनएफए आधार पर)	%	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100.00	192.35	37.30	34.67

46. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा लगाई गई पूंजी पर अर्जित % आय में लगातार गिरावट आई है। लगाई गई पूंजी पर आय जो 2003-04 में 100 (सूचीकृत) थी, जांच अवधि में तेजी से घटकर 34.67 हो गई।

ज.3. उत्पादकता

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	वार्षिक जांच अवधि
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100.00	119.48	73.99	86.94

47. प्रति कर्मचारी उत्पादन से संबंधित आंकड़ों से यह पता चलता है कि उत्पादकता आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घटकर 87% होने से पूर्व 2004 में बढ़कर 119% हो गई।

ज.3.1 रोजगार एवं मजदूरी

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	वार्षिक जांच अवधि
रोजगार (कर्मचारियों की संख्या)	संख्या	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100.00	101.04	96.93	98.33
मजदूरी	रु./लाख	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100.00	116.86	120.49	124.10

48. रोजगार के स्तर में कोई खास परिवर्तन प्रदर्शित नहीं होता है। सूचीकृत रूप में यह आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घटकर 98% हो गया। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान मजदूरी में 24% की वृद्धि हुई।

ज.3.2 मालसूची

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	वार्षिक जांच अवधि
आरंभिक स्टॉक	मी. टन	****	****	****	****
अंतिम स्टॉक	मी. टन	****	****	****	****

औसत स्टॉक	मी. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100.00	142.25	133.76	53.55
दिनों की बिक्री की संख्या के संबंध में औसत स्टॉक	संख्या	18	21	31	11
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100.00	120.77	176.63	61.83

49. औसत मालसूची में प्रवृत्ति से यह पता चलता है कि औसत मालसूची आधार वर्ष में 100 से घटकर जांच अवधि के दौरान 54 हो गई। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि की शुरुआत में प्रारंभिक मालसूची लगभग 2 दिन की बिक्री के बराबर थी जो जांच अवधि की समाप्ति पर बढ़कर लगभग 19 दिन की बिक्री तक पहुँच गई। दूसरे शब्दों में जांच अवधि के दौरान मालसूची का संक्षयन हुआ क्योंकि अंतिम मालसूची प्रारंभिक मालसूची की लगभग 8 गुना थी जिससे प्रतिकूल बिक्री का पता चलता है।

ज.3.3 वृद्धि

50. आधार वर्ष से जांच अवधि तक माँग में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर सकारात्मक वृद्धि की प्रवृत्ति दिखाई देती है। उत्पादन एवं बिक्री में वृद्धि 2004-05 में सकारात्मक, 2005-06 में नकारात्मक और जांच अवधि के दौरान पुनः सकारात्मक हो गई थी। 2004-05, 2005-06 और जांच अवधि में उत्पादन लागत में वृद्धि की प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है। बिक्री कीमत में 2004-05 में वृद्धि हुई, 2005-06 में नकारात्मक रही और जांच अवधि में सकारात्मक हो गई। लाभ में वृद्धि 2004-05 में सकारात्मक और 2005-06 में नकारात्मक तथा जांच अवधि में सकारात्मक रही।

ज.4. निवेश

51. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक संबद्ध वस्तु की क्षमता में परिवर्तन नहीं किया था। जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा कोई नया निवेश नहीं किया गया था और उनके अनुरोध के अनुसार आगे और निवेश करने की कोई योजना नहीं है।

ज.5. पाटन की मात्रा

52. उस मात्रा के संकेतक के रूप में जिसके अनुसार पाटित आयात घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचा सकते हैं, पाटन की मात्रा से यह पता चलता है कि जांच अवधि के लिए संबद्ध देशों के विरुद्ध निर्धारित पाटन मार्जिन काफी अधिक है।

ज.6. कीमत को प्रभावित करने वाले कारक

53. जहाँ तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में पर्याप्त कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा पर्याप्त स्तर तक गिरावट

आई है अथवा कीमत में ऐसी वृद्धि रोकी गई है जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती। घरेलू बाजार पर आयातों के प्रभाव का आकलन करने के लिए प्राधिकारी ने क्षति अवधि के दौरान आयात कीमतों का विश्लेषण किया। यह पाया गया कि जांच अवधि में प्रति मी. टन पहुँच मूल्य सभी संबद्ध देशों के संबंध में बल्क फिनोल के निवल बिक्री कीमत और क्षति रहित कीमत दोनों से कम थी। यह भी पाया गया कि जांच अवधि में प्रति मी. टन आयात का पहुँच मूल्य कोरिया गणराज्य को छोड़कर सभी संबद्ध देशों से डिब्बाबंद फिनोल के संबंध में निवल बिक्री कीमत और क्षति रहित कीमत से अधिक थी। जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से हुए कुल आयातों में से डिब्बाबंद और बल्क आयात क्रमशः 5% और 95% रहे हैं। सीमाशुल्क में कमी किए जाने से आयातों की पहुँच मूल्य में आगे और कमी आई। घरेलू उद्योग तथा प्रतिस्पर्धी स्थानापन्न की कीमतों में प्रतिस्पर्धा के कारण लागत संरचना में परिवर्तन, यदि कोई हो, की जांच भी उन कारकों के विश्लेषण हेतु की गई जो घरेलू बाजार में कीमतों को प्रभावित कर सकते हैं। जांच अवधि के दौरान उत्पादन की भारित औसत लागत में 36% की वृद्धि हुई है। इसी अवधि के दौरान, भारित औसत निवल बिक्री कीमत में केवल 23% की वृद्धि हुई। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से आयातित सामग्री का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम है जिससे भारतीय बाजार में कीमत कटौती हो रही है। जांच अवधि के दौरान कटौती 3-8% के बीच और जांच अवधि के दौरान कम कीमत पर बिक्री 10-15% के बीच रही थी।

ज.7. क्षति संबंधी निष्कर्ष

54. क्षति संबंधी उपर्युक्त मापदंडों की जांच से यह पता चलता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान माँग में 10% (कैप्टिव बिक्री सहित) की वृद्धि हुई थी। माँग में समग्र वृद्धि के बावजूद आधार वर्ष 2003-04 की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री दोनों में क्रमशः 85% और 87% की गिरावट आई। इसी अवधि के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयात 2003-04 में 23123 मी. टन से बढ़कर जांच अवधि में 53538 मी. टन हो गए। अर्थात् इनमें 132% की वृद्धि हुई। माँग के संबंध में संबद्ध देशों से आयातों का हिस्सा 2003-04 में 17% से बढ़कर जांच अवधि में 35% हो गया जबकि इसी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की माँग में हिस्सा 27% से घटकर 21% हो गया। प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयातों ने घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग को भयावह स्थिति में ला दिया। माँग में वृद्धि के बावजूद घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग जांच अवधि के दौरान 100% से घटकर 86% हो गया। इस प्रकार, जांच अवधि के दौरान स्थापित क्षमता अप्रयुक्त बनी रही। 100 के आधार की तुलना में जांच अवधि के दौरान लाभ (पीबीआईटी) घटकर 41 हो गया। आधार वर्ष 2003-04 की तुलना में जांच अवधि के दौरान लगाई गई निवल पूंजी पर आय घटकर 21 हो गई।

55. संबद्ध देशों से आयातों में पर्याप्त वृद्धि हुई है और इसका कीमत पर भारी प्रभाव पड़ा है जिससे कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण हुआ है।

56. उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि उत्पादन, बिक्री मात्रा, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्सा, कीमत, लाभ, निवेश पर आय, नकद लाभ को प्रभावित करने

वाले कारकों के संबंध में घरेलू उद्योग का निष्पादन प्रभावित हुआ है और इस प्रकार इनसे सामूहिक और संचयी रूप से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

झ. कारणात्मक संबंध

57. पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.5 और यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के नियम 11 के अंतर्गत अनुबंध II के पैरा (V) के अनुसार घरेलू उद्योग को हुई क्षति के कारण से संबंधित निष्कर्ष निकालने के लिए प्राधिकारी ने समस्त ज्ञात कारकों के प्रभाव और घरेलू उद्योग की स्थिति पर उनके परिणामों की जांच की है। पाटित आयातों से भिन्न ज्ञात कारकों, जिनसे उसी समय घरेलू उद्योग को क्षति पहुँची है, की भी जांच की गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन अन्य कारकों से हुई संभावित क्षति पाटित आयातों से संबंधित नहीं है। संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में पर्याप्त वृद्धि (समग्र रूप में और माँग में हिस्से के संबंध में) के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में पर्याप्त गिरावट आई है। संबद्ध देशों के बाजार हिस्से में वृद्धि के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में आई गिरावट से घरेलू उद्योग बाजार में माँग की वृद्धि के अनुरूप अपनी बिक्री नहीं बढ़ा सका। इसके विपरीत, आधार वर्ष 2003-04 की तुलना में जांच अवधि के दौरान उत्पादन एवं बिक्री दोनों में गिरावट आई। इसके परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग अपनी क्षमता का ईष्टतम उपयोग नहीं कर सका क्योंकि जांच अवधि के दौरान क्षमता उपयोग केवल 86% था। घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग में वृद्धि के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट के कारण नुकसान हुआ।

58. आयातों द्वारा कीमत में की गई पर्याप्त कटौती से घरेलू उद्योग लागत में वृद्धि की सीमा तक अपनी कीमतें बढ़ाने से वंचित हुआ। इसके परिणामस्वरूप सतत सुधार प्रदर्शित करने के बाद जांच अवधि के दौरान लाभ, नकदी प्रवाह और निवेश पर आय प्रभावित हुए। यद्यपि घरेलू उद्योग वर्ष 2003-04 और 2004-05 में कीमत बढ़ाने में सफल रहा था तथापि, पाटित आयातों के कारण जांच अवधि में उसका निष्पादन प्रभावित हो गया जिससे वह कीमतों में विधिसम्मत वृद्धि करने से वंचित हो गया।

59. इस प्रकार अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि संबद्ध देशों से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

अन्य ज्ञात कारकों की जांच

अ.1 अन्य स्रोतों से आयातों की मात्रा और कीमत

60. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कुल आयातों में से अन्य देशों से आयातों की मात्रा जांच अवधि के दौरान 42% रही है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि अन्य देशों से हुए आयातों ने भी घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचाई है। यह भी नोट किया गया है कि अन्य देशों से हुए आयातों पर पहले से ही पाटनरोधी शुल्क लगाया जा रहा है।

अ.2 माँग में कमी और/अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन

61. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान समग्र माँग में कोई गिरावट नहीं आई है। इसके विपरीत क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की समग्र माँग में सकारात्मक वृद्धि देखी गई है। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की कुल माँग में 10% (कैप्टिव बिक्री सहित) की वृद्धि देखी गई है। घरेलू बाजार में उत्पाद की खपत पद्धति में भी ऐसा कोई खास परिवर्तन नहीं आया है जिसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण माना जा सके।

अ.3 विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के बीच व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और प्रतिस्पर्धा

62. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु का एकमात्र ऐसा बाजार है जहाँ संबद्ध देशों से पाटित आयात घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु से सीधे प्रतिस्पर्धा करते हैं। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि घरेलू रूप से उत्पादित संबद्ध वस्तु के समान वाणिज्यिक ग्रेडों और विनिर्देशनों को पूरा करने के लिए आयातित उत्पाद की बिक्री की जाती है और यह कि आयातित संबंधित उत्पाद तथा घरेलू रूप से उत्पादित वस्तु समान वस्तुएँ हैं और इनका उपयोग एक समान अनुप्रयोगों/अंतिम उपयोगों के लिए किया जाता है।

63. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उद्योग में ऐसा कोई प्रतिबंधात्मक व्यवहार विद्यमान नहीं है जिसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण माना जा सकता है।

अ.4 प्रौद्योगिकी विकास

64. याचिकाकर्ता के रिकॉर्डों की जांच के आधार पर प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह मानते हैं कि प्रौद्योगिकी विकास घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कोई संगत कारक नहीं रहा है।

अ.5 निर्यात निष्पादन

65. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की निर्यात मात्रा नगण्य रही है। विभिन्न आर्थिक संकेतकों के संबंध में निष्पादन का निर्धारण केवल घरेलू बिक्री के बारे में किया गया है। अतः प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन के परिणामस्वरूप नहीं हो सकती है।

अ.6 घरेलू उद्योग की उत्पादकता

66. आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान उसी अवधि में कुल उत्पादन में गिरावट के कारण प्रति कर्मचारी उत्पादन के संबंध में घरेलू उद्योग की उत्पादकता में गिरावट प्रदर्शित हुई है।

67. प्राधिकारी की जानकारी में ऐसा कोई अन्य कारक नहीं लाया गया है जिससे घरेलू उद्योग को संभावित क्षति हो सकती है।

ट. कारणात्मक संबंध के बारे में निष्कर्ष

68. पाटित आयातों की मात्रा में पर्याप्त वृद्धि होने के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में भारी गिरावट आई है। आगे यह देखा गया है कि संबद्ध देशों से संबद्ध आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में आई गिरावट से घरेलू उद्योग माँग में वृद्धि के अनुरूप अपनी बिक्री बढ़ाने से वंचित हुआ। इसके परिणामस्वरूप जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री उतनी सीमा तक नहीं बढ़ सकी जितनी कि घरेलू उद्योग अपनी क्षमता के ईष्टतम उपयोग द्वारा बढ़ा सकता था। परिणामतः घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग घरेलू उद्योग के बाजार हिस्सा में आई गिरावट के परिणामस्वरूप प्रभावित हुआ। पाटित आयातों से हुई पर्याप्त कीमत कटौती से घरेलू उद्योग लागत में वृद्धि की सीमा तक अपनी कीमतें बढ़ाने से वंचित हुआ। परिणामतः जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के लाभ, नकदी प्रवाह और निवेश पर आय प्रभावित हुई। कीमत में पर्याप्त कटौती

और पाटित आयातों की मात्रा में अत्यधिक वृद्धि से लाभ, नकदी प्रवाह और निवेश पर आय के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा जिन मापदण्डों की वजह से वर्ष 2004-05 तक सुधार होने के बाद जांच अवधि में गिरावट आई।

69. अतः प्राधिकारी ने अनंतिम रूप से यह निर्णय लिया है कि संबद्ध देशों के मूल के पाटित आयातों से पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 और पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.5 के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

ठ. क्षति मार्जिन की मात्रा

70. प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षति रहित कीमत की तुलना क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु निर्यातों के पहुँच मूल्य के साथ की गई है। संबद्ध देशों से निर्यातों की भारत औसत पहुँच कीमत तथा क्षति मार्जिन का परिकलन निम्नानुसार किया गया है :-

ठ.1. क्षति मार्जिन संबंधी गणना

कम्पनी का नाम	मी. अम. डा./मी. टन		
	क्षति मार्जिन (बल्क)	क्षति मार्जिन (डिब्बाबंद)	क्षति मार्जिन (औसत/भारत)
कोरिया गणराज्य के निर्यातक	196	198	196
ताईवान के निर्यातक	152	-89	137
यूएसए के निर्यातक	202	-283	181

ड. निष्कर्ष

71. पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि :

- क. सम्बद्ध देशों से भारत को सम्बद्ध वस्तु का निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है;
- ख. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;
- ग. यह क्षति सम्बद्ध देशों से हुए पाटित आयातों के कारण हुई है।

ढ. भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे

72. प्राधिकारी का यह मानना है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से भारत में उत्पाद का कीमत स्तर प्रभावित हो सकता है। तथापि, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी। इसके विपरीत, पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन व्यवहारों से प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होगा। घरेलू उद्योग का ह्रास रुकेगा और सम्बद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प की उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिलेगी। उपभोक्ता अभी भी आपूर्ति के दो या उससे अधिक स्रोत बनाए रख सकते हैं।

73. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों का प्रयोजन सामान्यतः पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहार द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित

प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल की जा सके जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से सम्बद्ध देशों से होने वाले आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए इससे उपभोक्ताओं के लिए उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

ण. सिफारिशें

74. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत के बारे में सभी हितबद्ध पार्टियों को सूचना दी गई थी और पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलुओं के बारे में सकारात्मक सूचना प्रदान करने के लिए निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों को पर्याप्त समय दिया गया था। निर्धारित नियमों के अनुसार जांच शुरू करने और पाटन, क्षति तथा पाटन एवं घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के बारे में प्रारंभिक जांच की गई थी और सम्बद्ध देशों के विरुद्ध सकारात्मक पाटन मार्जिन की अनंतिम तथा ऐसे पाटन आयातों से घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति की पुष्टि करने के बाद प्राधिकारी का यह मत है कि जांच पूरी होने तक पाटन एवं क्षति को समायोजित करने के लिए अनंतिम शुल्क लगाना अपेक्षित है।

75. अतः प्राधिकारी सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तु के आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क आवश्यक समझते हैं और नीचे उल्लिखित स्वरूप और तरीके से उसकी सिफारिश करते हैं।

76. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन में से कमतर राशि के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार, सम्बद्ध देशों के मूल के या वहाँ से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के सभी आयातों पर निम्नलिखित तालिका के कॉलम 8 में उल्लिखित राशि के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क को केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से लगाए जाने की सिफारिश की जाती है।

ण.1. शुल्क तालिका

क्र. सं.	टैरिफ मद का उप शीर्ष	वस्तु विवरण	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	माप की इकाई	मुद्रा
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.	10.
1.	2907.1110 और 2707.9900	फेनोल	यूएसए	कोई	कोई	कोई	181	मी. टन	अम. डा.
2.			कोरिया गणराज्य तथा ताईवान से भिन्न कोई अन्य देश	यूएसए	कोई	कोई	181	मी. टन	अम. डा.
3	-वही-	-वही-	ताईवान	कोई	कोई	कोई	137	मी. टन	अम. डा.
4.			यूएसए तथा कोरिया गणराज्य से भिन्न कोई अन्य देश	ताईवान	कोई	कोई	137	मी. टन	अम. डा.
5.	-वही-	-वही-	कोरिया गणराज्य	कोई	कोई	कोई	196	मी. टन	अम. डा.
6.			ताईवान और यूएसए से भिन्न कोई अन्य देश	कोई	कोई	कोई	196	मी. टन	अम. डा.

त. आगे की प्रक्रिया

77. प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी :-

- (क) प्राधिकारी इन जांच परिणामों पर सभी हितबद्ध पार्टियों से टिप्पणियाँ आमंत्रित करेंगे और उन पर अंतिम जांच परिणामों में विचार किया जाएगा;
- (ख) निर्यातकों, आयातकों, आवेदकों और संबंधित समझी जाने वाली अन्य हितबद्ध पार्टियों को प्राधिकारी द्वारा अलग से लिखा जा रहा है जो पत्र के प्रेषण की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचार प्रस्तुत कर सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी इन जांच परिणामों के प्रकाशन के तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकती है;
- (ग) प्राधिकारी आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे और सत्यापन करेंगे;
- (घ) प्राधिकारी अंतिम जांच परिणामों की घोषणा करने से पूर्व आवश्यक तथ्यों का प्रकटन करेंगे।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th August, 2007

PRELIMINARY FINDINGS

Subject : Antidumping investigations involving imports of Phenol Originating in or exported from USA, Korea-RP and Taiwan.

No. 14/5/2006-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, (hereinafter referred as Rules) 1995 thereof :

A. PROCEDURE

2. The procedure described below has been followed:

- i. The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority). under the above Rules, received a written petition from M/s Hindustan Organic Chemicals Ltd., Mumbai and M/s SI Group-India Ltd., Mumbai (formerly known as Schenectady Herdillia Limited) on behalf of the domestic industry, alleging dumping of Phenol (hereinafter referred to as subject goods) originating in or and exported from USA, Korea RP and Taiwan.
- ii. The Authority notified the Embassies/Representatives of the subject countries in India about the receipt of dumping application made by the petitioner before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra;

- iii. The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry, issued a public notice dated 11th January 2007 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of phenol originating in or exported from the subject countries, in accordance with the sub-Rule 6(1) of the Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.
- iv. The Designated Authority sent copies of initiation notification dated 11.01.2007 to the Embassies of the subject countries in India, known exporters from the subject countries, importers, consumers and the domestic industry as per the addresses made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
- v. The Authority provided copies of the non-confidential version of the the application to the known exporters and to the Embassies of subject countries in accordance with Rule 6(3) supra.
- vi. The Embassies of the subject countries in India were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters were also sent to them, along with the names and addresses of the exporters.
- vii. The Authority sent questionnaires, to elicit relevant information to the following known exporters in subject countries in accordance with Rule 6(4). However, no questionnaire response has been received from any exporter of the subject goods.
 - a). M/s. Deckota Gasification Company
1600 East Interstate Avenue,
PO Box No. 5540
Bismarck Nd 58506-5540
USA.
 - b). M/s. Dow Chemical Co.
(979) 238-2011
2301 N Brazosport Blvd
Freeport, Tx 77541
USA.
 - c). M/s. Georgia Gulf
Pasadena
3503, Pasadena Freeway
PO Box No. 1959
Zip 77501 Pasadena Texas
USA
 - d). M/s. Shell Chemicals
Deer Park Chemical Plant & Refinery
5900 Highway 225
Deer Park Texas
USA

- e) M/s. Formas Chemicals & Fibre Corporation
Formosa Plastics Group
201 Tung Hwa North Road
Taipai (Taiwan Roc.)
- f) M/s. Kumho P&B Chemicals Inc.
319, Hwachi- Dong,
Yeosu City, Cholla Nam-Do
Korea RP.

viii. Questionnaire was sent to the following known importers and Consumers of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4). However, no questionnaire response has been received from any importer of the subject goods.

- 1). M/s. C.J. Shah and Company
105, Bajaj Bhawan
10th Floor, Nariman Point
Mumbai- 400021.
- 2). M/s. Haresh Kumar and Company
1212, Maker Chambers
5 Jamnalal Bajaj Road,
Nariman Point
Mumbai-400021.
- 3). M/s. PCL Industries
M-105, Connaught Place
New Delhi-110001
- 4). M/s. Kantilal Marilal and Company
16, Princess Street
Mumbai-400003.
- 5). Sonkamal Enterprises
10, Dev Darshan Apartment
Old Nagardas Road Andheri (East)
Mumbai-400 069
- 6). M/s. Khetan Brothers
C-17, Dalia Industrial Area
Off New Link Road,
Opposite Laxmi Industrial Estate
Andheri (West) Mumbai-400 058
- 7). M/s. Shubham Dyes & Chemicals Limited
1/26, Roop Nagar,
Delh-110 007
- 8). Acron Enterprises
Plot No. 218-219/3,
G.I.D.C, Naroda, Ahmedabad
Pin Code- 382330, Gujrat.
- 9). M/s. Naiknavare Chemicals Limited
1, Vidya Bhavan, 121, Keluskar Road
Shivaji Park, Dadar (West)
Mumbai (Maharashtra).

10. M/s. Paras Dyes & Chemicals
12th Floor, Vijaya Building
17 Barakhamba Road,
New Delhi-1
- 11). M/s. Torrent Pharmaceuticals Limited,
Ashram Road,
Ahmedabad Road 380009
Gujrat
- 12). M/s. United Phosphorus Ltd.
Eadymoney Terrace, 167,
Dr. Annie Basant Road
Worli, Mumbai-400 018
- 13). M/s. Resins & Plastic Ltd.
Cross Rd. B,
Mumbai 400093
- 14). M/s. Kailash Polymers
60, Krishna Market,
Kalkaji, New Delhi
- 15). Centrum Metalics Pvt. Ltd.
6/221, Deodhar Road,
Matunga-400 019
Mumbai
- 16). M/s. Wonder Laminates Pvt. Ltd.
14, Bhasa, Diamond Harbor road,
Kolkata.
- 17). M/s. Meghdev Enterprises
P.K. House, H/H M.J. Library,
Ellisbridg, Ahmedabad
- 18). M/s. Satguru International
204-D, Pocket-12, Jasola Vihar,
Opp. Appolo Hospital,
New Delhi.
- 19). M/s. High Polymer Labs Ltd.
803, Vishal Bhavan,
95, Nehru Place,
New Delhi.
- 20). M/s. Rainbow colours & Chemicals
14/A, Bhavik Complex
Ghod Dod Rd.,
Surat, Gujrat
- 21). M/s. M/s. Bleach Marketing Pvt. Ltd.
120, Bleach Chem Compound,
Nr. Chandola, Ahmedabad
- 22). M/s. Karmen International (P) Ltd.
31A/20, NP, Sidco Industrial Estate,
Che, Chennai
- 23). M/s. Krishna Antioxidants Pvt. Ltd.
Lopes Maner, I C Colony,
Near Chandra Ho,
Mumbai

- 24). M/s. NGP Industries Ltd.
M-13, Punj House,
New Delhi
- 25). M/s. Farmson Pharmaceutical Gujrat Ltd.
5th Floor, Commerce Centre,
Sayajigunj, Baroda.
- 26). M/s. India Glycols Ltd.
C-124, Okhla Industrial Area,
Phase-I, New Delhi.
- 27). M/s. Singh Plasticisers and Resins (I) Pvt.
B-316, 3rd Floor,
Somdutt Chamber-1
Bhika, New Delhi
- 28). M/s. National Plywood Industries Ltd.
5, Fancy Lane, 700 001
Kolkata.
- x. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- x. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years and the period of investigation;
- xi. Optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the applicant on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if Anti-Dumping duty, lower than the dumping margin, would be sufficient to remove injury to Domestic Industry
- xiii. Investigation was carried out for the period starting from 1st July 2005 to 30th June 2006 (POI). The examination of trends, in the context of injury analysis, covered the periods April 2003-March 2004, April 2004-March 2005, April 2005-March 2006 and the POI.
- xiv. *** in this Notification represents information furnished by the applicant on confidential basis, and so considered by the Authority under the Rules.

B. Product under Consideration

3. The product under consideration is 'Phenol'.
4. **Phenol** is an organic chemical, also known as Carboic Acid, and used in the manufacture of Phenol Formaldehyde Resins, Laminates, Plywood, Particle Boards, Bisphenol-A, Alkyl Phenols, Pharmaceuticals, Diphenyl Oxide and downstream chemicals. Phenol is classified under Chapter 29 & 27 of Custom Tariff Act under the sub-heading 29071110, 27079900 respectively.
5. It is a basic organic chemical, marketed in two grades viz. Crystalline and Hydrated. The two grades are differentiated on the basis of flow characteristics of Phenol. It is marketed in two forms – loose / bulk and packed.

B.1 Like Article

6. 'Phenol' manufactured by Domestic Industry is identical to the product under consideration, and is therefore being treated as like article for the purpose of this Investigation.

C. Standing of the Domestic Industry and initiation of the investigation

7. The petition has been jointly filed by M/s Hindustan Organic Chemicals Ltd., Mumbai and M/s SI Group-India Ltd., Mumbai (formerly known as Schenectady Herdillia Limited). There are no other known producers of the product in the country. It is found that M/s SI Group-India Ltd., Mumbai (formerly known as Schenectady Herdillia Limited) has made significant custom duty paid imports of the subject goods from subject country (ies). The Authority has therefore considered it appropriate to exclude M/s SI Group-India Ltd., Mumbai (formerly known as Schenectady Herdillia Limited) from the scope of the "Domestic Industry". M/s Hindustan Organic Chemicals Ltd. alone shall constitute "Domestic Industry" for the purpose of the present investigation.

D. Other submissions and issues raised

8. The Authority notes that none of the producers of the subject goods in Korea-RP, Taiwan or USA and, consumers or importers in India has responded to the Designated Authority, nor has any party, other than Domestic Industry, provided any information relevant to the present investigations.

E. Korea-RP**E.1 Normal Value for Korea-RP**

9. No exporter has responded to the initiation notification and submitted any information. In absence of any data, the Authority has relied upon the facts available as per Rule 6(8) of the Anti-dumping Rules, to determine the normal value. The normal value has been constructed on the basis of facts available. For constructing normal value, the price of **Benzene** has been taken from the data of DGCIS and for **Propylene** from ICIS LOR Asia. The consumption norms of the domestic industry and also standard input output norms (SION) have been relied upon. For utilities, consumption norm and prices of the domestic industry has been taken, except for power. For power, the rate has been taken as per the available information of power rate in the exporting country. Conversion cost which includes labor, depreciation and manufacturing expenses have been taken as per domestic industry. SGA, including interest, has been taken as per domestic industry. The profit margin @ **** has been considered on the cost of production. By adopting this methodology, the constructed normal value for bulk phenol has been calculated as US\$ ****PMT. For packed material, the cost of packing material of the domestic industry has been added to calculate the normal value. By this method the normal value for packed phenol has been calculated as US\$ **** PMT.

E.2. Export price for Non-cooperating Exporters

10. The data reported by the DGCI&S for exports from Korea-RP has been relied upon to calculate the ex-factory export price. The DGCIS data shows import of both bulk and packed material during the POI. Adjustment on account of ocean freight, marine insurance, commission, inland freight, port expenses, bank charges, and credit cost have been made to

arrive at the ex-factory export price. By adopting the above method, the ex-factory export price has been calculated as US\$ **** PMT for bulk material. For packed material, the ex-factory export price calculated as US\$ **** PMT.

E.3. Taiwan

E.4. Normal Value for Taiwan

11. No exporter from the Taiwan has responded to the Initiation Notification. In absence of any response, the Authority has relied on the facts available as per Rule 6(8) of the Anti-dumping Rules to determine the normal value. For constructing normal value, the price of Benzene has been taken from the data of DGCIS and for Propylene it has been taken from ICIS LOR Asia. The consumption norms of the domestic industry and SION have been relied upon. For utilities, consumption norms and prices of the domestic industry have been taken except for power for which the rate has been taken as per the available information of power rate in the exporting country. Conversion cost has been taken as per the domestic industry SGA including interest has been taken as per domestic industry. The profit margin @ **** has been considered on the cost of production. By adopting this methodology, the constructed normal value for bulk phenol has been calculated as US\$****MT. For packed material, the cost of packing material of the domestic industry has been added to calculate the normal value. By this method the normal value for packed phenol has been calculated as US\$**** PMT.

E.5. Export price for Non-cooperating Exporters

12. The data reported by the DGCIS for exports from Taiwan has been relied upon to calculate the ex-factory export price. The DGCIS data shows export of both bulk and packed material during the POI. Adjustment on account of ocean freight, marine insurance, commission, inland freight, port expenses, bank charges, and credit cost have been made to arrive at the ex-factory export price. By adopting the above method, the ex-factory export price has been calculated as US\$ **** PMT for bulk material. For packed material, the ex-factory export price calculated as US\$ **** PMT.

E.6. USA

E.7. Normal Value for USA

13. No exporter from USA has responded to the initiation notification and submitted any information. In absence of any data, the Authority has relied on the facts available as per Rule 6(8) of the Anti-dumping Rules to determine the normal value. For this purpose, average price for Benzene and Propylene reported in ICIS LOR (US Gulf) for the period of investigation has been taken as normal value. The consumption norms of the domestic industry and SION have been relied upon. For utilities, consumption norms and prices of domestic industry during POI have been considered, except for power, for which the rate has been taken as per the available information regarding power rate in the exporting country. The conversion cost has been taken as per the domestic industry. SGA, including interest has been taken as per domestic industry. The profit margin of **** has been considered on the cost of production. By adopting this methodology, the constructed normal value for bulk phenol has been calculated as US\$**** PMT. For packed material, the cost of packing material of the domestic industry has been added to calculate the normal value. By this method the normal value for packed phenol has been calculated as US\$ ****MT.

E.8. Export price for Non-cooperating Exporters

14. The data reported by the DGCI&S for exports from USA has been relied upon to calculate the ex-factory export price. The DGCIS data shows export of both bulk and packed material during the POI. Adjustment on account of ocean freight, marine insurance, commission, inland freight, port expenses, bank charges and credit cost have been made to arrive at the ex-factory export price. By adopting the above method, the ex-factory export price has been calculated as US\$ **** PMT for bulk material. For packed material, the ex-factory export price calculated as US\$ **** PMT.

E.9. Dumping Margin

15. On the basis of normal values and export prices as determined above, the dumping margins for exporters are determined as per table below. As already detailed no exporter response was received and therefore all the exporters from subject countries have been treated as non-cooperating exporters:-

IN US\$ (PMT)

Exporter/Producer From	Normal Value-Bulk	Normal Value-Packed	Export Price-Bulk	Export Price-Packed	Dumping Margin - Bulk	Dumping Margin - Packed	Weighted Dumping Margin -
Korea-RP	****	****	****	****	****	****	27.28%
Taiwan	****	****	****	****	****	****	21.20%
USA	****	****	****	****	****	****	33.45%

16. The dumping margins so determined provisionally are significant and above de minimis level.

F. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF CAUSAL LINKS**F.1 Views of the domestic industry**

17. The followings are the views of domestic industry:-

- a) Export price from the subject countries has remained at dumped level during POI. Further, these prices have not increased proportionate to increase in input prices from base period to POI.
- b) Production, sales volumes and capacity utilization of the domestic industry declined after showing improvements in 2004-05.
- c) Profit/Loss (PBT, PBIT and PBDIT) of the domestic industry have all shown significant decline after improvement up to 2004-05.
- d) Market share of the domestic industry declined. This is due to the fact that dumped imports have captured significant market share of demand in India.
- e) Import from each of the subject countries has been undercutting the prices of the domestic industry to a significant degree.
- f) Imports from the subject countries has forced the domestic industry to reduce the price steeply during 2005-06 and proposed investigation period. Thus, the imports were depressing the prices in this period.
- g) Employment levels with the domestic industry have not undergone any significant change.

- h) **Salary & wages:-** Salary and wages with the domestic industry increased.
- i) **Demand and market share:-** Whereas the market shares of the imports have increased, that of the domestic industry has declined.
- j) **Growth:-** Growth of the domestic industry in a number of parameters shows negative trend.
- k) Domestic industry has suffered material injury and is trapped in a vicious cycle of volume effect and price effect. With increase in volume of imports of the subject good from the subject countries into the Indian market as a result of excess capacity with the Foreign Producers, the domestic industry suffered from loss of sale and loss of market share. This resulted in adverse volume effect. Loss of sale forced the domestic industry to reduce their domestic selling price in order to sell the subject good in the domestic market thus resulting in adverse price effect. The exporters further reduced the selling price and as a result, the domestic industry reduced the selling price further and the process continued. Resultantly, domestic Industry faced adverse volume effect and adverse price effect as a result of unfair trade practices of the exporting countries.
- l) Imports from subject countries are adding to the material injury, already being suffered by the domestic industry.
- m). There is significant increase in the import volumes in absolute terms. This increase in imports is in spite of best efforts of the domestic industry to sell their material even at sub-optimal prices. The increase in imports would have been more, had the domestic industry not made efforts to curtail the same by offering lower prices.
- n). Price undercutting is significant. In spite of offering matching prices, there is a positive price difference between the domestic product and imported product. Given nature of the product involved, any price difference between the domestic product and imported product is not acceptable to the consumers and the domestic industry is under constant pressure for price reductions. Domestic industry cannot afford to sell at prices, significantly higher than the imported prices. The only option with the domestic industry is to sell at matching prices. Even a small price difference is in fact huge in this kind of product.
- o). Petitioners conducted extensive analysis of exports from subject countries to world over in terms of its likely impact on the domestic industry. World exports of subject countries are showing increasing trends, clearly implying surplus unutilized capacities with the Foreign Producers which are likely to be offloaded to India at dumped prices.

F.2. Examination by the Authority

F.3 Cumulative assessment of injury

18. As per annexure-II (iii) of the Rules, in case, imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti-dumping investigation, the Authority is required to cumulatively assess effect of such imports, only when it determines that

(a) The margin of dumping established in relation to imports from each country is more than 2% expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is 3% of the imports of like article, and,

(b) Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic article.

19. The Authority has found that the margin of dumping in respect of each of the subject country is more than 2% and the volume of imports from each country is also more than 3%.

20. With a view to assess the conditions of competition between imported products and the like domestic product, the Authority notes that -

- i) The subject goods have been imported from the subject countries under the same tariff classification;
- ii) The Authority has found that the imported subject goods are commercial substitutes of the domestically produced Phenol.
- iii) The information furnished to the Authority gives a reasonable indication that the exports made from the subject countries compete in the same market, as these are like products.

21. Therefore, the Authority notes that it is appropriate to, cumulatively assess the effect of imports of the subject goods on the domestically produced like article, in the light of conditions of competition between the imported products and the like domestic product.

22. The Authority has taken note of various arguments put forth by the Domestic Industry (There was no response from other interested parties).

23. Annexure II of the AD Rules requires that determination of injury shall involve an objective examination of both

- (a). The volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like products; and
- (b). Consequent impact of these imports on domestic producers of such products.

24. The Authority while examining the volume of dumped imports is required to examine whether there has been a significant increase in the dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree, or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree.

25. For the purpose of injury analysis the Authority has examined cumulative effect of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on all relevant Economic factors and indices having a bearing on the state of industry to evaluate the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any.

26. Since significant dumping margins have been established for the exports from the subject countries, entire exports from the subject countries have been treated as dumped imports for the purpose of injury analysis and causal link examination.

F.4. Volume Effect of dumped imports and Impact on domestic Industry

27. The Authority collected transaction wise details of imports of subject goods from DGCIS. As per the data, cumulative imports from subject countries have increased significantly in absolute terms and in relation to imports in India. Imports from Korea-RP, Taiwan and USA constitute 10.66%, 27.21% and 20.59% respectively in the POI. The imports from subject countries are more than de minimis individually. The Authority notes that although the share of imports from USA has been on decline in POI compared to period of injury, (Down to 20.59% in POI as against 35.34% in 2003-04) the share of subject countries in imports, which was 35.34% in 2003-04 increased to 58.46% in POI.

F.4.1. Import Volumes and share of subject country

	Units	2003-04	2004-05	2005-06	Annualized POI
Korea RP	MT	0	32	7017	9765
Taiwan		0	1985	24743	24920
USA		23123	15410	23832	18853
Subject Countries	MT	23123	17427	55591	53538
Trend	Indexed	100	75	240	232
Other countries	MT	42302	47607	37850	38040
Trend	Indexed	100	113	89	90
Total Imports	MT	65425	65034	93441	91578
Trend	Indexed	100.00	99.40	142.82	140
Market Share in Imports					
Korea RP	%	0	0.05	7.51	10.66
Taiwan	%	0	3.05	26.48	27.21
USA	%	35.34	23.70	25.50	20.59
Subject Countries	%	35.34	26.80	59.49	58.46
Trend	Indexed	100.00	75.82	168.33	165.42
Other countries	%	64.66	73.20	40.51	41.54
Trend	Indexed	100.00	113.22	62.65	64.24
		100.00	100.00	100.00	100.00
Production of DI	MT	40094	48403	28754	34275
Imports from subject countries	MT	23123	17427	55591	53538
Imports from subject countries as a percentage of production of DI	%	57.67	36	193.34	156.20

F.5. Demand, Output and Market shares**F.5.1. Growth In Demand****F.5.1.1. Growth in Demand including Captive Consumption**

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	Annualized POI
Domestic Industry	Mt	37583	44265	28143	32548
Other Producers	Mt	35090	35410	28475	28289
Total Import	Mt	65425	65034	93441	91578
Total Demand	Mt	138098	144710	150059	152415
Trend	Indexed	100.00	104.79	108.66	110.36

F.5.1.2 Growth in Demand excluding Captive Consumption

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	Annualized POI
Domestic Industry	Mt	37583	44265	28143	32548

Other Producers	Mt	32329	34099	26952	26561
Total Import	Mt	65425	65034	93441	91578
Total Demand	Mt	135337	143399	148536	150687
Trend	Indexed	100.00	105.96	109.75	111.34

28. Demand of subject goods has been determined by addition of domestic sales (including captive sales) of domestic industry and all imports from all countries. The Authority notes that demand for the subject goods had been growing from base year to POI. It grew by 10% during POI as compared to base year i.e. 2003-04.

29. The growth in demand of subject goods excluding captive sales also shows similar trends. As compared to base year it grew by 11%.

30. Imports from subject countries show a growing trend in relation to production of the domestic industry. The imports from subject countries was only 58% in relation to the production of the domestic industry in the base year 2003-04, which has gone up in percentage terms to 156.20% in POI.

F.6. Capacity, production and capacity utilization of the Domestic Industry

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	Annualized POI
Installed Capacity	Mt	40000	40000	40000	40000
Trend	Indexed	100.00	100.00	100.00	100.00
Production	Mt	40094	48403	28754	34275
Trend	Indexed	100.00	120.72	71.72	85.68
Capacity Utilization (%)	%	100	121	72	86
Trend	Indexed	100.00	120.72	71.72	85.68

31. Data of domestic industry on capacity, production and capacity utilisation reveals that the capacity of the domestic industry was 40000 MT during 2003-04 and had not changed during POI. The production of subject goods was 40094 MT during 2003-04 after rising in 2004-05 declined to 28754 MT during 2005-06 and was 34275 MT during POI. The capacity utilisation of domestic industry, which was 121% during 2004-05, declined to 86% during POI, as compared to 100% in the base year 2003-04. The Authority notes that production in 2005-06 suffered because of longer shutdown taken by the Company due to difficulties in procurement of major raw material. However, the company had resumed full production in POI and could have produced to the extent of the volumes achieved in 2003-04 and 2004-05. During POI, while plant was ready to produce up to its installed capacity, it could operate only up to 86% of the capacity.

F.7. Sales volume of Domestic Industry

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	Annualized POI
Domestic Industry	Mt	37583	44265	28143	32548
Trend	Indexed	100.00	117.78	74.88	86.60

32. The data on sales indicates that the domestic industry sold 37583 MT of subject goods during 2003-04 which declined to 32548 MT during POI. The sale of domestic industry thus fell to 87% during POI as compared to base year 2003-04. The Authority notes that the domestic industry could sell 44265 MT during 2004-05 and sales during POI were significantly lower than these levels achieved earlier.

33. The above data on the sales of domestic industry shows that there was a fall in the sales during POI to the extent of 13% over the base year 2003-04 though sales during POI were higher than the sales achieved in 2005-06. As noted above, production during 2005-06 suffered on account of longer shutdown taken by the company, so did the sales. It is also noted that during the year 2004-05, domestic industry could sell 44265 MT as against 32548 MT during POI.

F.8 Demand and Market Share including captive Consumption

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	Annualized POI
Domestic Industry	Mt	37583	44265	28143	32548
Other Producers	Mt	35090	35410	28475	28289
Total Import	Mt	65425	65034	93441	91578
Total Demand	Mt	138098	144710	150059	152415
Trend	Indexed	100.00	104.79	108.66	110.36
Market share in demand					
Domestic Industry	%	27.21	30.59	18.75	21.35
Trend	Indexed	100.00	112.40	68.91	78.46
Other Producers	%	25.41	24.47	18.93	18.56
Trend	Indexed	100.00	96.30	74.68	73.04
Korea RP	%	0.00	0.02	4.68	6.41
Taiwan	%	0.00	1.37	16.49	16.35
USA	%	16.74	10.65	15.88	12.37
Subject Countries	%	16.74	12.04	37.05	35.13
Trend	Indexed	100.00	71.92	221.25	209.86
Import from Other countries	%	30.63	32.90	25.52	24.96
Trend	Indexed	100.00	107.40	82.34	81.49

F.8.1. Demand and Market Share excluding captive Consumption

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	Annualized POI
Domestic Industry	Mt	37583	44265	28143	32548
Other Producers	Mt	32329	34099	26952	26561
Total Import	Mt	65425	65034	93441	91578
Total Demand	Mt	135337	143399	148536	150687
Trend	Indexed	100.00	105.96	109.75	111.34
Market share in demand					
Domestic Industry	%	27.77	30.87	18.95	21.60
Trend	Indexed	100.00	111.16	68.23	77.78
Other Producers	%	23.89	23.78	18.14	17.63
Trend	Indexed	100.00	99.55	75.96	73.80
Korea RP	%	0.00	0.02	4.72	6.48
Taiwan	%	0.00	1.38	16.66	16.54
USA	%	17.09	10.75	16.04	12.51
Subject Countries	%	17.09	12.15	37.45	35.53

Trend	Indexed	100.00	71.13	219.05	207.90
Import from Other countries	%	31.26	33.20	25.48	25.24
Trend	Indexed	100.00	106.21	81.52	80.74

34. Imports from subject countries have increased significantly in relation to consumption in India from 16.74% in 2003-04 to 35.13% in POI.

35. There has been a steady growth in demand of the subject goods. Over the base year 2003-04, the demand in POI was higher by 10%. The share of domestic industry which was at 27.21% in 2003-04 declined to 21.35% during POI. During the same period the share of imports from subject countries which was 16.74% in 2003-04 went up to 35.13% during POI. It is noted that dumped imports have not only captured the growth in demand but also crowded out the domestic industry.

36. The demand (excluding captive sales) of subject goods shows similar trend. It grew by 11% during POI as compared to the base year. The trend indicates that the share of domestic industry which was at 28% in 2003-04 declined to 22% during POI. During the same period the share of subject countries which was 17% in 2003-04 rose to 36% during POI.

G.1. Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

37. With regard to the effect of dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of rule 18, the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of like product in India or whether effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase, which otherwise would have occurred to a significant degree.

38. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from the subject countries have been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis the weighted average cost of production, weighted average Net Sales Realization (NSR) and the Non-injurious Price (NIP) of the Domestic industry have been compared with the landed cost of imports from the subject countries.

G.1.1. Evaluation of price over period under consideration

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	Annualized POI
Cost of sales	Rs./Mt	****	****	****	****
Trend	Indexed	100.00	132.62	133.22	136.21
Selling Price (NSR)	Rs./Mt	****	****	****	****
Trend	Indexed	100.00	146.88	120.64	122.62

G.1.2. Price undercutting and underselling effects

	Unit	Bulk	Packed	Total Weighted Average (Bulk + Packed)
Net sales realization (POI)	Rs./Mt	****	****	****
Landed price				
Korea RP	Rs./Mt	47699	52980	48788

Taiwan	Rs./Mt	49672	65874	51437
USA	Rs./Mt	47441	74539	49487
Total subject countries	Rs./Mt	48513	67300	50267
Price undercutting				
Korea RP	Rs./Mt	****	****	****
Taiwan	Rs./Mt	****	****	****
USA	Rs./Mt	****	****	****
Total subject countries	Rs./Mt	****	****	****
Price undercutting (%)				
Korea RP	%	****	****	****
Taiwan	%	****	****	****
USA	%	****	****	****
Total subject countries	%	****	****	****
Non Injurious Price				
Price Underselling				
Korea RP	Rs./Mt	****	****	****
Taiwan	Rs./Mt	****	****	****
USA	Rs./Mt	****	****	****
Total subject countries	Rs./Mt	****	****	****
Price Underselling (%)				
Korea RP	%	****	****	****
Taiwan	%	****	****	****
USA	%	****	****	****
Total subject countries	%	****	****	****

39. While working out the net sales realization of the domestic industry, the rebates, discounts and commissions offered by the domestic industry and the central excise duty paid have been rebated.

40. Price undercutting has been determined by comparing the weighted average landed value of dumped imports from the subject countries over the entire period of investigation with the weighted average net sales realization of the domestic industry for the same period. For this purpose landed value of imports has been calculated by adding 1% landing charge and applicable basic customs duty to the value reported in the DGCI&S data of import prices from the subject countries. The price undercutting from subject countries was in the range of 4-10% during POI.

41. For the purpose of price underselling the weighted average landed prices of imports from subject countries have been compared with the Non-injurious price of the domestic industry determined for the POI. It shows that underselling was in the range of 12-17%.

G.1.3 Price suppression and depression effects of the dumped imports:

42. The price suppression effect of the dumped imports has also been examined with reference to the cost of production, net sales realization and the landed values from the subject countries.

43. The Authority notes that there were upward trends in the cost of sales during the injury period. The cost of sales which was 100 (indexed) in the base year went up to 136.21 in the POI; mainly due to increase in input price of Benzene and LPG which are Petro based

products. The Authority notes that though the increase in the selling price was more than the cost up to 2004-05, thereafter the increase in selling price was not proportionate to the increase in cost. The trend of cost of production shows that weighted average cost of production rose by 36% during POI as compared to base year whereas the selling price had increased only by 23% during POI indicating that the domestic industry could not realize the selling price commensurate with the increase in cost of production.

H. Examination of other Injury Parameters

44. After having examined the effect of dumped imports on the volumes and prices of the domestic industry and major injury indicators like volume and value of imports, capacity, output, capacity utilization and sales of the domestic industry as well as demand pattern with market shares of various segments in the earlier section, other economic parameters which could indicate existence of injury to the domestic industry have been analyzed hereunder as follows:

H.1. Profits and actual and potential effects on the cash flow

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	Annualized POI
Cost of sales	Rs./Mt	****	****	****	****
Trend	Indexed	100.00	132.62	133.22	136.21
Selling Price (NSR)	Rs./Mt	****	****	****	****
Trend	Indexed	100.00	146.88	120.64	122.62
Profit/Loss	Rs./Mt	****	****	****	****
Trend	Indexed	100.00	229.04	48.18	44.29
Profit/Loss before Tax	Rs./Lacs	****	****	****	****
Trend	Indexed	100.00	269.76	36.08	38.35
PBIT	Rs./Lacs	****	****	****	****
Trend	Indexed	100.00	252.73	39.14	41.36
Cash Profit	Rs./Lacs	****	****	****	****
Trend	Indexed	100.00	261.57	37.26	39.49

45. The data indicate that weighted average cost of production of the domestic industry went up by 36% during POI as compared to base year against which the weighted average selling price increased only by 23% during POI. The profit per unit which was 100 (indexed) in the base year increased by 129% during 2004-05 and declined in 2005-06 to 48% and 44% during POI. The profit of domestic industry on the domestic sales(PBIT) which was 100 (indexed) in 2003-04 increased by 154% in 2004-05 and declined in 2005-06 to 39% and 41% during POI. The Authority notes that there has been significant deterioration in the profitability of domestic industry during the POI as compared to base year 2003-04.

H.2. Return on investment and ability to raise capital

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	Annualized POI
PBIT	Rs./Lacs	****	****	****	****
Trend	Indexed	100.00	252.73	39.14	41.36
Net Fixed Assets	Rs./Lacs	****	****	****	****

Trend	Indexed	100.00	92.99	72.98	76.69
Working Capital	Rs./Lacs	****	****	****	****
Trend	Indexed	100.00	151.40	121.58	141.50
Capital Employed	Rs./Lacs	****	****	****	****
Trend	Indexed	100.00	131.39	104.94	119.30
Return on Capital Employed (NFA Basis)	%	****	****	****	****
Trend	Indexed	100.00	192.35	87.80	34.67

46. The Authority notes that there has been continued decline in the %age return on capital employed earned by the domestic industry. The return on capital employed, which was 100 (indexed) in the year 2003-04 declined sharply to 34.67 in 2005-06.

H.3 Productivity

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	Annualized POI
Productivity per employee	Mt	****	****	****	****
Trend	Indexed	100.00	119.48	83.99	86.94

47. The data on production per employee shows that the productivity increased by 119% in 2004-05 before declining to 87% during POI as compared to base year.

H.3.1 Employment and wages

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	Annualized POI
Employment (Manpower strength)	Nos.	****	****	****	****
Trend	Indexed	100.00	101.04	98.93	98.33
Wages	Rs./Lacs	****	****	****	****
Trend	Indexed	100.00	116.86	120.49	124.10

48. The employment level does not show significant change. In indexed form it declined to 98% during POI as compared to base year. The wages increased by 24% during POI as compared to base year.

H.3.2 Inventories

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	Annualized POI
Opening Stock	Mt	****	****	****	****
Closing Stock	Mt	****	****	****	****
Average Stock	Mt	****	****	****	****
Trend	Indexed	100.00	142.25	133.76	53.55
Average Stock in terms of No. of Days' sales	Nos.	18	21	21	11
Trend	Indexed	100.00	120.77	108.63	61.83

49. The trends in the average inventory show that average inventory declined from 100 in the base year to 54 during POI. The Authority notes that at the beginning of POI the opening inventory was equal to about 2 days sales, which went up to about 19 days sales at the close of POI. In other words, during POI there has been accumulation of inventory as the closing inventory was nearly 8 times the opening inventory, which reflects an adverse off take.

H.3.3. Growth

50. The growth in demand shows positive trend from base year to POI on year to year basis. The growth in production and sales were positive in 2004-05, negative in 2005-06 and again positive during the POI. The cost of production shows rising trend in 2004-05, 2005-06 and in POI. Growth of selling price shows rising trend in 2004-05 and negative in 2005-06 and positive in POI. Growth of profits shows positive trend in 2004-05 and negative in 2005-06 and positive in POI.

H.4. Investment

51. The authority notes that the domestic industry had not changed the capacity of subject goods from base year to POI. There has been no fresh investment by the domestic industry during the period of investigation and there is no plan for further investment as submitted by them.

H.5 Magnitude of Dumping

52. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry shows that the dumping margins determined against the subject countries, for the POI, are significant.

H.6. Factors affecting prices

53. With regard to the effect of dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred to a significant degree. In order to assess the effect of imports on the domestic market, the Designated Authority analyzed import prices over the injury period. It was found that the landed value per MT in POI was lower than both the net selling price and non-injurious price of bulk phenol in respect of all subject countries. It was also found that the landed value of import per MT in the POI is higher than the net selling price and the non-injurious price in respect of packed phenol from all subject countries excepting Korea RP. Out of total imports from subject countries during POI, the packed and bulk imports are 5% and 95% respectively. The decline in customs duty further resulted in reduction in landed price of imports. Change in cost structure if any, due to competition in the domestic industry and prices of competing substitutes have been examined for analyzing the factors that might be affecting the prices in the domestic market. The weighted average cost of production has increased by 36% during POI. The weighted average net selling prices increased only by 23% during the same period. The Authority notes that Landed values of imported material from subject countries are significantly below the selling price of the domestic industry, causing price undercutting in the Indian market. The undercutting during POI was in the range of 3-8% and underselling was in the range of 10-15% during POI.

H.7. Conclusion on injury

54. The examination of above injury parameters indicates that growth in demand was 10% (including captive sales) during POI as compared to base year. Despite overall growth in demand, both the production and sale of domestic industry declined to 85% and 87% respectively during POI as compared to base year 2003-04. During the same period, the imports of subject goods from subject countries increased significantly from 23123 MT in 2003-04 to 53538 MT during POI i.e. it increased by 132%. The share of the imports from subject countries in relation to demand increased from 17% in 2003-04 to 35% during POI whereas the share in demand of the domestic industry declined from 27% to 21% during the same period. The Authority notes that imports have crowded out domestic industry in domestic market. The capacity utilization of the domestic industry, despite growth in demand, declined from 100% to 86% during POI. Thus the installed capacity remained unutilized during POI. Profits (PBIT) declined to 41 during POI as compared to base of 100. The return on net capital employed declined to 21 during POI as compared to 100 of base year 2003-04.

55. Imports from subject countries have increased significantly and these had significant price effect resulting in price suppression and price undercutting.

56. On the basis of above analysis, the Authority provisionally concludes that the performance of the domestic industry deteriorated in terms of production, sales volumes, capacity utilization, market share, factors effecting prices, profits, return on investment, cash profits, thus collectively and cumulatively showing that the domestic industry has suffered material injury.

I. Causal Link

57. In order to reach its conclusions on the cause of the injury suffered by domestic industry and in accordance with article 3.5 of Agreement on Anti-Dumping and as per Para (v) of Annexure-II under Rule 11 under Customs Tariff Act as amended, the Authority examined the impact of all known factors and their consequences on the situation of the domestic industry. Known factors other than dumped imports, which could at the same time have injured the domestic industry, were also examined to ensure that the possible injury caused by these other factors was not attributed to the dumped imports. The significant increase in volume of dumped imports from the subject countries (both in absolute terms as well as in relation to the share in demand) has resulted in significant decline in market share of the domestic industry. Decline in market share of domestic industry as a consequence of increase in market share of subject countries prevented the domestic industry from increasing their sales commensurate to increase in demand in the market. On the contrary, there was a decline, both in production and sale during POI as compared to base year 2003-04. As a result, domestic industry could not optimally utilize its capacity as capacity utilization during POI was only 86%. Consequently growth in production, sales and capacity utilization of the domestic industry suffered as a result of the decline in market share of domestic industry.

58. Significant price undercutting caused by imports prevented the domestic industry from increasing its prices to the extent of increase in cost. Consequently, profits, cash flow and return on investment deteriorated during POI after showing consistent improvement. While domestic industry was able to increase prices in 2003-04 and 2004-05, its performance deteriorated in the POI due to dumped imports which prevented it from effecting legitimate price increases.

59. It is thus provisionally concluded that the imports from the subject countries have caused material injury to the domestic industry.

J. Examination of Other Known Factors

J.1 Volume and prices of imports from other sources

60. The Authority notes that out of total imports, the volumes of imports from other countries are 42% during POI. The Authority notes that the imports from other countries also have been contributing to the injury of the domestic industry. It has been noted that the imports from other countries are already attracting anti-dumping duties.

J.2 Contraction in demand and / or change in pattern of consumption

61. The Authority notes that there is no contraction in the overall demand during POI. On the contrary; overall demand for subject goods has shown positive growth during the injury period. The total demands of subject goods have shown growth of 10% (including captive sales) during Period of Investigation as compared to the base year. There is also no significant change in consumption pattern of the product in the domestic market, which could be attributed to the injury to the domestic industry.

J.3 Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

62. The Authority notes that there is a single market for the subject goods where dumped imports from subject countries compete directly with the subject goods produced by domestic industry. The Authority also notes that the imported product is sold to meet the similar commercial grades and specifications as domestically produced subject goods and that the imported subject goods and domestically produced goods are like articles and are used for similar applications/ end uses.

63. The Authority notes that there is no restricted practice prevalent in the industry which could be attributed to the injury to the domestic industry.

J.4 Development of technology

64. On the basis of examination of the records of the petitioner, the Authority provisionally holds that development in technology has not been a relevant factor for the injury to the domestic industry.

J.5 Export performance

65. The Authority notes that the export volume of the domestic industry is insignificant during the POI. The performance with respect to various Economic indicators have determined with respect to domestic sales only. Hence, the Authority provisionally holds that material injury suffered by the domestic industry may not be as a result of the export performance of the domestic industry.

J.6. Productivity of the Domestic Industry

66. Productivity of the domestic industry in terms of production per employee has shown decline during POI as compared to base year 2003-04 because of the decline in total production during the same period.

67. No other factor which could have possibly caused injury to the domestic industry has been brought to the knowledge of Authority.

K. Conclusion On Causation

68. Significant increase in the volume of dumped imports has resulted in significant decline in the market share of domestic industry. It is further seen that decline in market share of domestic industry as a consequence of increase in market share of subject imports from subject countries prevented the domestic industry from increasing their sales commensurate to growth in demand. As a result, sales of domestic industry during POI did not increase to such an extent that domestic industry could have optimally utilized its capacity. Consequently, production, sales and capacity utilization of the domestic industry suffered as a result of the decline in the market share of the domestic industry. Significant price undercutting caused by dumped imports prevented the domestic industry from increasing its prices to the extent of increase in costs. Resultantly, profits, cash flow and return on investment of the domestic industry deteriorated in the POI. Significant price-undercutting and substantial increase in the volume of dumped imports adversely affected the performance of the domestic industry in terms of profits, cash flow, and return on investment, which parameters deteriorated in POI after improving in FY 2004-05.

69. The Authority has therefore, provisionally concluded that the dumped imports originating in the subject countries have caused material injury to the domestic industry within the meaning of Rule 11 of Anti-dumping Rules and article 3.3 of Agreement of Anti-dumping.

L. Magnitude of Injury Margin

70. The non-injurious price determined by the Authority has been compared with the landed value of the exports for determination of injury margin. The weighted average landed price of the exports from the subject country and the injury margins have been worked out as follows:

L.1. Injury margin Calculations

Name of company	Injury Margin (Bulk)	Injury Margin (Factored)	USD/MT
			Injury Margin (Avg/Weighted)
Exporters from Korea-RP	196	196	196
Exporters from Taiwan	152	138	137
Exporters from USA	202	260	181

M. Conclusions

71. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

A. The subject goods have been exported to India from the subject countries below its normal value;

- B. The domestic industry has suffered material injury;
- C. The injury has been caused by the dumped imports from subject countries.

N. Indian industry's interest & other issues

72. The Authority recognizes that imposition of anti-dumping duties might affect the price level of product in India. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantage gained by dumping practices, would arrest the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. Consumers could still maintain two or even more sources of supply.

73. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

O. Recommendations

74. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal links. Having initiated and conducted a preliminary investigation into dumping, injury and causal links between dumping and injury to the domestic industry in terms of the Rules laid down and having provisionally established positive dumping margin against the subject countries, as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of provisional duty is required to offset dumping and injury pending completion of the investigation.

75. Therefore, Authority considers it necessary and recommends provisional anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder.

76. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, provisional antidumping duty equal to the amount indicated in Col 8 of the table below is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject countries.

O.1. Duty Table

S.No	Sub Heading Of Tariff item	Description of Goods	Country Of Origin	Country Of Export	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit Measure	Currency
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.	10.
1.	2907.1110 and 2707.9900	PHENOL	USA	Any	Any	Any	181	MT.	USD
2.			Any other than Korea RP. and Taiwan	USA	Any	Any	181	MT.	USD
3	DO	DO	Taiwan	Any	Any	Any	137	MT.	USD
4.			Any other than USA and Korea RP.	Taiwan	Any	Any	137	MT.	USD
5.	DO	DO	Korea RP.	Any	Any	Any	196	MT.	USD
6.			Any other than Taiwan and USA	Any	Any	Any	196	MT.	USD

P. Further Procedures

77. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:-

- The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final finding;
- Exporters, importers, applicants and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
- The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;
- The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

R. GOPALAN, Designated Authority